

प्रहर्षीयः
रास्त्री-परीक्षा तृतीयवर्षस्य (तृतीय सेमेस्टर)

७१ १

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामनि	निर्धारितपाठ्यपुस्तकः	क्रेडिट	अंकः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	अरुणोदयसहितं सामान्यतया	01	25
	ii	विद्वत्साधनसहितं लोचनम्	01	25
	iii	चरणव्यूहः	01	25
	iv	आन्तरिकं गुरुसंलग्नम्	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	इतिरेयव्याकरणम्	01	25
	ii	सिद्धांतकोशम्	01	25
	iii	चरणव्यूहः	01	25
	iv	आन्तरिकं गुरुसंलग्नम्	01	25
Minor 2 अनुविधकशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i	विद्वत्साधनसहितं लोचनम्	01	25
	ii	चरणव्यूहः	01	25
	iii	आन्तरिकं गुरुसंलग्नम्	01	25
Multi-disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	अनुविधकशास्त्रीयविषये	01	25
	ii	चरणव्यूहः	01	25
	iii	आन्तरिकं गुरुसंलग्नम्	01	25

10.12.1

महेश्वर

M

21.10.21

१५/१०/२१

सुभाषचन्द्रबोर्ड - तृतीय श्रेणी

वर्ग	क्रम	विषय	क्रेडिट	अंक
Major 1 मुख्यविषय अध्ययन	i	सुभाषचन्द्रबोर्ड - तृतीय श्रेणी	01	25
	ii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iv	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
Major 2 मुख्यविषय द्वितीयपत्र	i	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	ii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iv	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
Minor 1 अनुसंगिकभाषा/विषय तृतीयपत्र	i	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	ii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iv	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
Multi-disciplinary अनुसंगिक	i	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	ii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25
	iii	संस्कृतभाषा - व्याकरण	01	25

किरण

असकृत

u

रवि

रवि

सृष्टि मण्डलः

तृतीयाधिसूत्रम्

शास्त्री परीक्षा - (तृतीय स्नेहस्वर)

12

3

इकाई संख्या	युक्तनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	तैत्तिरीयसंहिता-सामय्यभा. प्रथम काण्डस्य अध्यायः 3	01	25
	ii	स्वशास्त्रीय वृत्तिविपर्ययः जल, भाला, शिखा, रेखा - च	01	25
	iii	निरुक्तम् अध्यायः 4	01	25
	iv	आन्तरिक वृत्तसंक्रमणम्	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	तैत्तिरीय ब्राह्मण सामय्यभा. तृतीय काण्डस्य प्रपाठकम् - 2	01	25
	ii	उदक शान्तिप्रयोगः सम्पूर्णम्	01	25
	iii	सिद्धान्त कौमुदी वैदिकी प्रक्रिया	01	25
	iv	आन्तरिक वृत्तसंक्रमणम्	01	25
Minor 1 सहायकशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i	वैदिककाण्डमयस्यैतद्विषयः	01	25
	ii	वैदिककाण्डमयस्यैतद्विषयः	01	25
	iii	वैदिककाण्डमयस्यैतद्विषयः	01	25
Multi-disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	कौटिल्यस्य अर्थशास्त्रम्	01	25
	ii	तैत्तिरीयसंहिता	01	25
	iii	वैदिककाण्डमयस्यैतद्विषयः		

कि 2 न

आनन्दसिंह

U

सि 2 न

सामवेद
तृतीयाधिसत्रम्

17 4

शास्त्री - परीक्षा (तृतीयाधिसत्रम्)

इकाई संख्या	युक्तानामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
i	सामवेद साहित्य सायणभाष्यम्	पूर्वार्चिकस्य अध्याय - 1	01	25
ii	वेदशास्त्रा पर्यालोचनम्	पदपाठ स्वरूपम् न. 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 846, 847, 848, 849, 850, 851, 852, 853, 854, 855, 856, 857, 858, 859, 860, 861, 862, 863, 864, 865, 866, 867, 868, 869, 870, 871, 872, 873, 874, 875, 876, 877, 878, 879, 880, 881, 882, 883, 884, 885, 886, 887, 888, 889, 890, 891, 892, 893, 894, 895, 896, 897, 898, 899, 900, 901, 902, 903, 904, 905, 906, 907, 908, 909, 910, 911, 912, 913, 914, 915, 916, 917, 918, 919, 920, 921, 922, 923, 924, 925, 926, 927, 928, 929, 930, 931, 932, 933, 934, 935, 936, 937, 938, 939, 940, 941, 942, 943, 944, 945, 946, 947, 948, 949, 950, 951, 952, 953, 954, 955, 956, 957, 958, 959, 960, 961, 962, 963, 964, 965, 966, 967, 968, 969, 970, 971, 972, 973, 974, 975, 976, 977, 978, 979, 980, 981, 982, 983, 984, 985, 986, 987, 988, 989, 990, 991, 992, 993, 994, 995, 996, 997, 998, 999, 1000	01	25
ii	गोमिलगुह्यसूत्रम्	उत्तरभागम्	01	25
iii	आन्तरिक मूल्यांकनम्	पूर्वाह्नम्	01	25
iv	सामवेदशास्त्राभाष्यम्	गानस्वरूपानि (सौदाहरणानि)	01	25
i	सामवेदशास्त्राभाष्यम्	वैदिकी प्रक्रिया	01	25
ii	सिद्धान्तमौमुदी		01	25
iii	आन्तरिक मूल्यांकनम्	जैमिनीपशाखायाः ब्राह्मणानां परिचयः १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १४, १५, १६, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६१, ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५, ७६, ७७, ७८, ७९, ८०, ८१, ८२, ८३, ८४, ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९४, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १००, १०१, १०२, १०३, १०४, १०५, १०६, १०७, १०८, १०९, ११०, १११, ११२, ११३, ११४, ११५, ११६, ११७, ११८, ११९, १२०, १२१, १२२, १२३, १२४, १२५, १२६, १२७, १२८, १२९, १३०, १३१, १३२, १३३, १३४, १३५, १३६, १३७, १३८, १३९, १४०, १४१, १४२, १४३, १४४, १४५, १४६, १४७, १४८, १४९, १५०, १५१, १५२, १५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १५८, १५९, १६०, १६१, १६२, १६३, १६४, १६५, १६६, १६७, १६८, १६९, १७०, १७१, १७२, १७३, १७४, १७५, १७६, १७७, १७८, १७९, १८०, १८१, १८२, १८३, १८४, १८५, १८६, १८७, १८८, १८९, १९०, १९१, १९२, १९३, १९४, १९५, १९६, १९७, १९८, १९९, २००, २०१, २०२, २०३, २०४, २०५, २०६, २०७, २०८, २०९, २१०, २११, २१२, २१३, २१४, २१५, २१६, २१७, २१८, २१९, २२०, २२१, २२२, २२३, २२४, २२५, २२६, २२७, २२८, २२९, २३०, २३१, २३२, २३३, २३४, २३५, २३६, २३७, २३८, २३९, २४०, २४१, २४२, २४३, २४४, २४५, २४६, २४७, २४८, २४९, २५०, २५१, २५२, २५३, २५४, २५५, २५६, २५७, २५८, २५९, २६०, २६१, २६२, २६३, २६४, २६५, २६६, २६७, २६८, २६९, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७, २७८, २७९, २८०, २८१, २८२, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७, ३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३, ४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४, ५१५, ५१६, ५१७, ५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२, ५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७, ५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३५, ५३६, ५३७, ५३८, ५३९, ५४०, ५४१, ५४२, ५४३, ५४४, ५४५, ५४६, ५४७, ५४८, ५४९, ५५०, ५५१, ५५२, ५५३, ५५४, ५५५, ५५६, ५५७, ५५८, ५५९, ५६०, ५६१, ५६२, ५६३, ५६४, ५६५, ५६६, ५६७, ५६८, ५६९, ५७०, ५७१, ५७२, ५७३, ५७४, ५७५, ५७६, ५७७, ५७८, ५७९, ५८०, ५८१, ५८२, ५८३, ५८४, ५८५, ५८६, ५८७, ५८८, ५८९, ५९०, ५९१, ५९२, ५९३, ५९४, ५९५, ५९६, ५९७, ५९८, ५९९, ६००, ६०१, ६०२, ६०३, ६०४, ६०५, ६०६, ६०७, ६०८, ६०९, ६१०, ६११, ६१२, ६१३, ६१४, ६१५, ६१६, ६१७, ६१८, ६१९, ६२०, ६२१, ६२२, ६२३, ६२४, ६२५, ६२६, ६२७, ६२८, ६२९, ६३०, ६३१, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५, ६३६, ६३७, ६३८, ६३९, ६४०, ६४१, ६४२, ६४३, ६४४, ६४५, ६४६, ६४७, ६४८, ६४९, ६५०, ६५१, ६५२, ६५३, ६५४, ६५५, ६५६, ६५७, ६५८, ६५९, ६६०, ६६१, ६६२, ६६३, ६६४, ६६५, ६६६, ६६७, ६६८, ६६९, ६७०, ६७१, ६७२, ६७३, ६७४, ६७५, ६७६, ६७७, ६७८, ६७९, ६८०, ६८१, ६८२, ६८३, ६८४, ६८५, ६८६, ६८७, ६८८, ६८९, ६९०, ६९१, ६९२, ६९३, ६९४, ६९५, ६९६, ६९७, ६९८, ६९९, ७००, ७०१, ७०२, ७०३, ७०४, ७०५, ७०६, ७०७, ७०८, ७०९, ७१०, ७११, ७१२, ७१३, ७१४, ७१५, ७१६, ७१७, ७१८, ७१९, ७२०, ७२१, ७२२, ७२३, ७२४, ७२५, ७२६, ७२७, ७२८, ७२९, ७३०, ७३१, ७३२, ७३३, ७३४, ७३५, ७३६, ७३७, ७३८, ७३९, ७४०, ७४१, ७४२, ७४३, ७४४, ७४५, ७४६, ७४७, ७४८, ७४९, ७५०, ७५१, ७५२, ७५३, ७५४, ७५५, ७५६, ७५७, ७५८, ७५९, ७६०, ७६१, ७६२, ७६३, ७६४, ७६५, ७६६, ७६७, ७६८, ७६९, ७७०, ७७१, ७७२, ७७३, ७७४, ७७५, ७७६, ७७७, ७७८, ७७९, ७८०, ७८१, ७८२, ७८३, ७८४, ७८५, ७८६, ७८७, ७८८, ७८९, ७९०, ७९१, ७९२, ७९३, ७९४, ७९५, ७९६, ७९७, ७९८, ७९९, ८००, ८०१, ८०२, ८०३, ८०४, ८०५, ८०६, ८०७, ८०८, ८०९, ८१०, ८११, ८१२, ८१३, ८१४, ८१५, ८१६, ८१७, ८१८, ८१९, ८२०, ८२१, ८२२, ८२३, ८२४, ८२५, ८२६, ८२७, ८२८, ८२९, ८३०, ८३१, ८३२, ८३३, ८३४, ८३५, ८३६, ८३७, ८३८, ८३९, ८४०, ८४१, ८४२, ८४३, ८४४, ८४५, ८४६, ८४७, ८४८, ८४९, ८५०, ८५१, ८५२, ८५३, ८५४, ८५५, ८५६, ८५७, ८५८, ८५९, ८६०, ८६१, ८६२, ८६३, ८६४, ८६५, ८६६, ८६७, ८६८, ८६९, ८७०, ८७१, ८७२, ८७३, ८७४, ८७५, ८७६, ८७७, ८७८, ८७९,		

अध्वपेदः

भारतीय परीक्षा

विभाग
संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
वेदः - शास्त्रप्रथमवर्षम्
अध्वपेदः

(तृतीय सेमेस्टर)

मुख्यविषयनामः (Major Courses)

इकाईसंख्या	विषयनामः	निर्धारितपाठ्यपत्रः	क्रेडिट	अंकः
Major 1 मुख्यविषय प्रथमवर्षम्	i. अध्वपेदसंहितासूत्रम्	काण्डम् - 3 (पूर्वाह्नम्)	01	25
	ii. वृणोक्तम्	अष्टादशबिक्रितलक्षणम्	01	25
	iii. निरुक्तम्	आह्वयः - 4	01	25
	iv. आन्तरिकमूल्योक्तम्		01	25
Major 2 मुख्यविषय द्वितीयवर्षम्	i. अध्वपेदसंहितासूत्रम्	काण्डम् - 3 (ज्वराह्नम्)	01	25
	ii. पञ्चपद्युक्तम्	पूर्वाह्नम्	01	25
	iii. सिद्धान्तकोमुदी	वेदिकी प्रक्रिया	01	25
	iv. आन्तरिकमूल्योक्तम्		01	25
Minor - 02 विषयनामः तृतीयवर्षम्	i. वेदिकवाग्म्यसंहितासूत्रम्	कल्पवेदाङ्गपरिचयः १० दन्दवेदाङ्गम्	01	25
	ii. वेदिकवाग्म्यसंहितासूत्रम्	क्याकरणवेदाङ्गपरिचयः	01	25
	iii. वेदिकवाग्म्यसंहितासूत्रम्	क्याकरणवेदाङ्गपरिचयः	01	25
Disciplinary विषयनामः	i. प्रयोगोपनिषद्	संनृपणम्	01	25
	ii. मुण्डकोपनिषद्	प्रयोगोपनिषद्: मुण्डको,	01	25
	iii. मुण्डकोपनिषद्			

शास्त्री प्रीक्षा

वेदज सभा ११

तृतीयाविवरण (वृत्तीय सेमेस्टर)

6

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्वाहित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकः
i	परमकारवृहस्पृशम्	मयूम काण्डम्	01	25
ii	कीद्विष्वक्वृहस्पृशम्	पूर्वाह्नम्	01	25
iii	माद्विष्वक्वृहस्पृशम्	पूर्वाह्नम्	01	25
iv	आन्तरिकं संहारं कर्तव्यम्		01	25
i	बृहस्पृशम्	प्रथमाऽह्यायः	01	25
ii	मिक्वम्	प्रथमाऽह्यायः द्वितीयाह्यापश्च	01	25
iii	कीद्विष्वक्वृहस्पृशम्	उत्तराह्नम्	01	25
iv	आन्तरिकं संहारं कर्तव्यम्		01	25
i	वेदिकवाङ्मयस्य ऐन्द्रियः	कल्पवेदांगस्य परिचयः	01	25
ii	वेदिकवाङ्मयस्य ऐन्द्रियः	छन्दोवेदांगस्य परिचयः तथा कर्णवेदांगस्य परिचयश्च	01	25
iii				
i	मिक्वम्	अनुषाङ्गह्यायः	01	25
ii	मिक्वम्	पञ्चमाऽह्यायः, षष्ठ्याऽह्यापश्च	01	25
iii				

अन्तर

अन्तरिक्ष

शास्त्री-परीक्षा, तृतीयावधि सत्रम् (तृतीय-सेमेस्टर)

(32) 9

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i उपलब्धमेव	सम्पूर्णम्	01	25
	ii ब्राह्मणमयूखः	सम्पूर्णम्	01	25
	iii रुद्रयागप्रयोगविमर्शः	सम्पूर्णम्	01	25
	iv आन्तरिकमूल्यांकनम्	सम्पूर्णम्	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i विष्णुयज्ञप्रयोगविमर्शः	सम्पूर्णम्	01	25
	ii प्रतीक्षा मयूखः	सम्पूर्णम्	01	25
	iii धर्मसिन्धुः	द्वितीय परिच्छेदः	01	25
	iv आन्तरिकमूल्यांकनम्		01	25
Minor 1 सहायकशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i नवमस्कन्धप्रकाशः	परिचयः	01	25
	ii दानमयूखः	परिचयः (नीलकण्ठभट्टः)	01	25
	iii			
Inter-disciplinary चतुर्थपत्रम्	i बृहद्वैवर्त	पूर्वार्द्धम्	01	25
	ii मनुस्मृतिप्रकाशः	नवमस्कन्धः, नवमस्कन्धां परिचयः	01	25
	iii			

सहायक शिक्षक

21/07/20

तृतीयसत्रम् (प्रवेशव्याकरण)

8

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यः	क्रेडिट	अंकाः
Minor 1 अतिथये अनुपपन्नम्	i	काशिकावृत्तिः १-२ पादाः	01	25
	ii	व्याकरणमहाभाष्यम् प्रथमाध्यायस्य प्रथमद्वितीयपादौ	01	25
	iii	११ तृतीयपादः	01	25
	iv	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
Minor 2 अतिथये अनुपपन्नम्	i	काशिकावृत्तिः प्रथमाध्यायस्य चतुर्थपादः, २-१ पादः	01	25
	ii	व्याकरणमहाभाष्यम् ११ चतुर्थपादः	01	25
	iii	११ द्वितीयाध्यायस्य प्रथमपादः	01	25
	iv	आन्तरिकमूल्यांकनम्	01	25
Minor 1 अतिथये अनुपपन्नम्	i	काशिकावृत्तिः तृतीयाध्यायस्य कृत्प्रत्ययपरिचयः	01	25
	ii	११ तद्धिते इत्याद्यर्धप्रत्ययपरिचयः	01	25
	iii			
disciplinary अनुपपन्नम्	i	काशिकावृत्तिः संज्ञासूत्राणां परिचयः	01	25
	ii	११ परिभाषासूत्राणां ११	01	25
	iii			

अ. प्रबन्दा

अ. प्रबन्दा

तृतीयवितरण

(मन्यव्याकरण)

७३

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यपुस्तक	कोड	अंक
i	शब्दरत्न संहिता प्रौढमार्ग	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'आदेशप्रत्यय': इति प्रथमः	01	25
ii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'सर्वादीनि सार्वनामरि प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
iii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय' प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
iv		अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय' प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
i	शब्दरत्न संहिता प्रौढमार्ग	कारक पुस्तिका प्रकार 'विभक्त्यर्थ' भाग	01	25
ii	11	कारक पुस्तिका प्रकार 'विभक्त्यर्थ' भाग	01	25
iii	11	कारक पुस्तिका प्रकार 'विभक्त्यर्थ' भाग	01	25
iv		कारक पुस्तिका प्रकार 'विभक्त्यर्थ' भाग	01	25
i	शब्दरत्न संहिता प्रौढमार्ग	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
ii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
iii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
i	लघु शब्दरत्न संहिता प्रौढमार्ग	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
ii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25
iii	11	अज्ञानपुस्तिका प्रकार 'प्रत्ययप्रत्यय'	01	25

11-02-25

11-02-25

11-02-25

11-02-25

साहित्यविभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
विषयः साहित्यम्
शास्त्रिद्वितीयवर्षम् - तृतीयवर्षम्
मुख्यविषयकयाठपत्रम् (Major Courses)

Major 1	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यपत्रः	क्रेडिट	अंकाः
मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	वेणीसंहारनाटकम्	आदिः, तृतीय-अंकपर्यन्तम्	01	25
	ii	वेणीसंहारनाटकम्	चतुर्थ-अंकः, समाप्तिं वाक्	01	25
	iii	चन्द्रमालाटिका	सम्पूर्णम्	01	25
	iv	आन्तरिककार्यम्		01	25
Major 2	i	साहित्यदर्पणः	प्रथमपरिच्छेदः	01	25
	ii	साहित्यदर्पणः	अष्टमपरिच्छेदः	01	25
	iii	संलग्नपत्रपरचना		01	25
	iv	आन्तरिककार्यम्		01	25
Minor -01 सहायकशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i	शिशुपालवधमहाकाव्यम्	प्रथमद्वितीयवर्गौ	01	25
		कादम्बरी	आदिः, कवामुखपर्यन्तम्		
	ii	वेणीसंहारनाटकम्	आदिः, तृतीयोऽंकपर्यन्तम्	01	25
	iii				
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	शिशुपालवधमहाकाव्यम्	प्रथमद्वितीयवर्गौ	01	25
		कादम्बरी	आदिः, कवामुखपर्यन्तम्		
	ii	वेणीसंहारनाटकम्	आदिः, तृतीयोऽंकपर्यन्तम्	01	25
	iii				

लिप्योग्राहकः
विभागः

पुराणेतिहासविभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीतिः, २०२० (CBCS) आधारेतः

प्रस्तावित पाठ्यक्रमः
शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयवर्षतम (तृतीय सेमेस्टर)

मुख्यावयवः - पुराणेतिहासः

पत्रम् - प्रथमप्रश्नपत्रम् (Major)

क्रेडिट - 3+1 = 4

पूर्णाङ्कः - 75+25 = 100

पत्रसङ्केतः	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यपत्रः	क्रेडिट	अङ्काः
Major 5	1.	श्रीमद्भागवतमहापुराणम् चतुर्थोऽस्कन्धः	प्रथमोऽध्यायः सप्तमोऽध्यायपर्यन्तम्	1	25
	2.	विष्णु पुराणम् पञ्चमोऽध्यायः	प्रथमोऽध्यायः विंशोऽध्यायपर्यन्तम्	1	25
	3.	श्रीमद्भागवतमहापुराणम् चतुर्थोऽस्कन्धः	अष्टमोऽध्यायः पञ्चादशोऽध्यायपर्यन्तम्	1	25
	4			1	25

पुराणेतिहासविभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीतिः, २०२० (CBCS) आधारितः
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रम् (तृतीय-सेमेस्टर)

मुख्यविषयः - पुराणेतिहासः

पत्रम् - द्वितीयप्रश्नपत्रम् (Major)

क्रेडिट - 3+1=4

पूर्णाङ्काः - 75+25=100

पत्रसङ्केतः	इकाई संख्याः	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
Major 6	1	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (बालकाण्डम्)	आदितः पञ्चविंशः सर्गपर्यन्तम्	1	25
	2	महाभारतः (अनुशासनपर्वः)	आदितः द्वादशोऽध्यायपर्यन्तम्	1	25
	3	देवीभागवतम् (प्रथमोऽस्कन्धः)	आदितः दशमोऽध्यायपर्यन्तम्	1	25
	4	आन्तरिककार्यम्		1	25

पुराणेतिहासविभागः
 सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
 राष्ट्रियशिक्षानीतिः, २०२० (CBCS) आधारितः
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रम् (तृतीय सेमेस्टर)
 विषयः - पुराणेतिहासः
 पत्रम् - तृतीयप्रश्नपत्रम् (Major Inter Disciplinary)
 क्रेडिट - 3+1= 4
 पूर्णाङ्काः - 75+25=100

पत्रसङ्केतः	इकाई संख्या:	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
Major (Inter Disciplinary)	1	महाभारतः (अनुशासनपर्वः)	आदितः द्वादशोऽध्यायपर्यन्तम्	01	25
	2	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	प्रथमसर्गतः विंशः सर्गपर्यन्तम्	01	25
	3	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	एकविंशः सर्गतः पञ्चत्रिंशत् सर्गपर्यन्तम्	01	25
	4	आन्तरिककार्यम्		01	25

पुराणेतिहासविभागः
सम्पूर्णनिन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी
राष्ट्रियशिक्षानीतिः, २०२० (CBCS) आधारितः
प्रस्तावितपाठ्यक्रमः

शास्त्रिपरीक्षायां तृतीयाधिसत्रम् (तृतीय सेमेस्टर)

विषयः - पुराणेतिहासः

पत्रम् - चतुर्थप्रश्नपत्रम् (Minor Elective 1)

क्रेडिट - 3+1= 4

पूर्णाङ्काः - 75+25=100

पत्रसङ्केतः	इकाई संख्याः	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
Minor Elective 1	1	महाभारतः (अनुशासनपर्वः)	आदितः द्वादशोऽध्यायपर्यन्तम्	01	25
	2	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	प्रथमसर्गतः विंशः सर्गपर्यन्तम्	01	25
	3	श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (सुन्दरकाण्डम्)	एकविंशः सर्गतः पञ्चत्रिंशत् सर्गपर्यन्तम्	01	25
	4				

15

तृतीयवित्तत्रम् अग्रोत्तराध्यायसमाप्ति

इकाईसंख्या	ग्रन्थप्रमाण	तिथिपरिपाद्यः	क्रेडिट	अंकाः
Minor 1 मुख्यविषये अध्यायः	i कामन्दकीय-नीतिमार्गः काव्यम् अध्यायः 1-25 अथ	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
	ii कामन्दकीय-नीतिमार्गः काव्यम् अध्यायः 26-30 अथ	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
	iii कामन्दकीय-नीतिमार्गः 192- अध्यायः 286	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
	iv आचारिक-कार्यम्	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
Minor 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्	द्वितीयस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम् (1-6 अध्यायः)	01	25
	ii कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम् (7-12 अध्यायः)	01	25
	iii कौटिलीय-अर्थशास्त्रम्	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम् (13-18)	01	25
	iv आन्तरिक-कार्यम्	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
Minor 1 मुख्यविषये तृतीयपत्रम्	i मनु-स्मृतिः	अष्टमस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
	ii श्रीमद्-भागवत-महापुराणम्	द्वितीयस्कन्धः समाप्तः पर्यन्तम्	01	25
	iii राजसूय-यज्ञः	राजा वा स्वयं		
Multi-disciplinary समन्वितम्	i राजसूय-यज्ञः	राजा वा स्वयं	01	25
	ii राजसूय-यज्ञः	राजा वा स्वयं	01	25
	iii राजसूय-यज्ञः	राजा वा स्वयं		

11-2-25

तृतीयाधिसत्रम् चिह्नम्

शास्त्रिद्वितीयवर्षः

(विषयः-सिद्धान्तज्योतिषम्)

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यंशः	क्रेडिट	अंकः
Module 1 Compulsory संयोजकपत्रम्	i	सूर्यसिद्धान्तः	02	25
	ii	घापीयत्रिकोणमितिः	01	25
		आंतरिककार्यम्	01	25
		1-2 अध्यायाः	01	25
Module 2 Elective वैकल्पिकपत्रम्	i	चलनकलनम्	01	25
	ii	अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम्	01	25
	iii	गोलपरिभाषा	01	25
	iv	56 श्लोकतः समाप्तिं यावत्	01	25
Module 3 Elective 1 Compulsory संयोजकपत्रम्	i	लीलावती	02	50
	ii	बीजगणितम्	01	25
	iii	आदितः करणीपर्यन्तम्	01	25
		आंतरिककार्यम्	01	25
	i	लीलावती	02	25
	ii	बीजगणितम्	01	25
	iii	आदितः करणीपर्यन्तम्	01	25
		आंतरिककार्यम्	01	25

स. 8-24

3

8/8/24

8-8-24

तृतीयाधिसत्रम्

(विषयः-फलितज्योतिषम्)

शारि द्वितीयवर्षः

इकाई
संख्या

संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
I	तमिनिसूत्रम्	प्रथमद्वितीयपादौ	03	75
II	जातकालंकारः	आंतरिककार्यम्	01	25
III	लघुपाराशरी	जातकालंकारः (सम्पूर्णः)	02	50
IV	लघुजातकम्	सम्पूर्णम्	01	25
V	मुहूर्तचिंतामणिः	आंतरिककार्यम्	01	25
VI	जातकालंकारः	अरिष्टाध्यायः अरिष्टभंगाध्यायश्च	01	25
VII	लघुजातकम्	संस्कारप्रकरणम्	01	25
VIII	मुहूर्तचिंतामणिः	जातकालंकारः (प्रथमद्वितीयाध्यायौ)	01	25
IX	जातकालंकारः	आंतरिककार्यम्	01	25
X	लघुजातकम्	अरिष्टाध्यायः अरिष्टभंगाध्यायश्च	01	25
XI	मुहूर्तचिंतामणिः	संस्कारप्रकरणम्	01	25
XII	जातकालंकारः	जातकालंकारः (प्रथमद्वितीयाध्यायौ)	01	25

३१/७/२४

३३

3

३१/७/२४

३३ ३१/७/२४

३३ ३१/७/२४

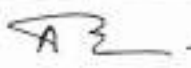
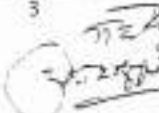
३३ ३१/७/२४

तृतीयाधिसत्रम्

शास्त्रिद्वितीयवर्षः

(विषयः—गणितम्)

Major 1 प्रथमप्रश्नपत्रम्	इकाई संख्या	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
	i	चलनकलने— अनुकलनस्य सामान्या विधयः, मुख्यसूत्राणि खण्डानुकलनम्, लघुकरणसूत्राणि, निश्चितानुकलनम् क्षेत्रकलनम् चापकलनम्, परिक्रमणजघनानामायतनं पृष्ठफलञ्च	03	75
	ii	आंतरिककार्यम्	01	25
Major 2 द्वितीयप्रश्नपत्रम्	i	कणानां गतिशास्त्रे द्वयायामे वेगः, गतिवृद्धिः, न्यूटनस्य गतिनियमाः, सरलरेखात्मिका गतिः, खे (In Vacuum) प्रक्षेपः, वर्तुला सरलहारात्मिका च गतिः। चक्रजे (Cycloid) गतिः, दोलकस्य (Pendulum) गतिः, कायम्, शक्तिः संघातः (Impact) वेगालेखः (Hodograph)	03	75
		आंतरिककार्यम्	01	25
Major 3 Inter-disciplinary तृतीयप्रश्नपत्रम्	i	चलनकलने— अनुकलनस्य सामान्या विधयः	02	50
	ii	कणानां गतिशास्त्रे द्वयायामे वेगः, गतिवृद्धिः, न्यूटनस्य गतिनियमाः	01	25
	iii	आंतरिककार्यम्	01	25
Minor Elective 1 Multi disciplinary	i	चलनकलने— अनुकलनस्य सामान्या विधयः	02	25
	ii	कणानां गतिशास्त्रे द्वयायामे वेगः, गतिवृद्धिः, न्यूटनस्य	01	25
	iii	आंतरिककार्यम्	01	25

 8-8-24
 8/8/24
 8-8-24

(19)

तृतीयाधिवक्त्रम्

दर्शनात्

श्लोकसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठयाराः	ह्रदिट	अंकाः
i	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य प्रथमोऽध्यायः	01	25
ii	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य द्वितीयोऽध्यायः	01	25
iii	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य तृतीयोऽध्यायः	01	25
iv	निर्णयसिन्धुः	आन्तरिकसूत्राङ्कनम्	01	25
i	शुद्धिमद्वयः (नीलकण्ठकृतः)	निर्णयसिन्धुः संवत्सरप्रकरणे चैतदुक्तमिति निर्दिष्टम् (द्वितीयपरिच्छेदः)	01	25
ii	पाराशर-स्मृतिः	आदिताः प्रेतानुगन्तुः स्नानादिकम् पर्यन्तम्	01	25
iii		प्रायश्चित्तध्यायः चतुर्थोऽध्यायः अष्टमोऽध्यायपर्यन्तम् ।	01	25
iv	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	आन्तरिकसूत्राङ्कनम्	01	25
i	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य प्रथमोऽध्यायः	01	25
ii	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य	जैमिनीयन्यायमालाविस्तारस्य द्वितीयोऽध्यायः	01	25
iii				
iv	दार्मसिन्धुः	प्रथमपरिच्छेदः आदिताः पञ्चमीतिथिः निर्णयपर्यन्तम्	01	25
i	दार्मसिन्धुः	षष्ठीतिथिः निर्णयः प्रथमपरिच्छेदस्य अष्टादशमाहा	01	25
ii				
iii				

१३

पुणे नगर
20

तृतीयाधिसत्रम्

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	भिद्यारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
	न्यायभाष्यम्	तृतीयाध्यायस्य प्रथमाहिनिकम् ।	01	25
	न्यायभाष्यम्	तृतीयाध्यायस्य द्वितीयाहिनिकम् ।	01	25
	न्यायभाष्यम्	चतुर्थोऽध्यायस्य प्रथमाहिनिकम् ।	01	25
		आंतरिकमूल्यांकनम्	01	25
	शब्दशक्तिप्रकाशिका	आदितः प्रकृतिलक्षणान्तो भागः ।	01	25
	शब्दशक्तिप्रकाशिका	प्रत्ययलक्षणतः वाक्यनिरूपणान्तो भागः ।	01	25
	शब्दशक्तिप्रकाशिका	नामनिरूपणात् नैमित्तिकसंज्ञानिरूपणान्तो भागः	01	25
		आंतरिकमूल्यांकनम्	01	25
	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	(सदिनकारी) आदितः अनुमानखण्डान्तो भागः	01	25
	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	(सदिनकारी) उपमानखण्डतः शब्दखण्डान्तो भागः	01	25
		आंतरिकमूल्यांकनम्		
	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	आदितः अनुमानखण्डान्तो भागः	01	25
	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	उपमानखण्डतः शब्दखण्डान्तो भागः	01	25
		आंतरिकमूल्यांकनम्		

Signature: [Signature] Date: [Date]

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अका:
i	सामान्यनिरुक्ती (प्रथमलक्षणान्तो भागः)	हेत्वाभासानिरुक्ते प्रसङ्गस्यापि संगतित्वमित्याख्य अवच्छेदकत्वं च तत्पर्याप्त्यधिकरणत्वमित्यन्तो भागः ।	01	25
ii	सामान्यनिरुक्ती (प्रथमलक्षणान्तो भागः)	सध्यतावच्छेदकावच्छिन्नसाध्यप्रकारकत्वानिवेशे इत्यतः तत्र तदवगाहिभ्रमस्य दर्शिताकारतासम्भवादित्यपि वदन्तीत्यन्तो भागः ।	01	25
iii	सामान्यनिरुक्ती (प्रथमलक्षणान्तो भागः)	भ्रमादिति । पञ्चम्यर्थः प्रयुक्तत्वं तस्य च प्रतिबन्धकपदार्थऽनुत्पादे इत्यतः प्रथमलक्षणान्तो भागः ।	01	25
iv		आंतरिकमूल्यांकनम्	01	25
i	सामान्यलक्षणा	आरम्भतः इदं न चाक्षुषो निखिलद्रव्यसंतान इति नव्याः इत्यन्तो भागः । (सजागदीशीदीधितिः)	01	25
ii	सामान्यलक्षणा	इयञ्च धर्मविषयकज्ञानमित्यतः पूर्वपक्षान्तो भागः ।	01	25
iii	सामान्यलक्षणा	ननु धर्मिज्ञानस्य सस्यहेतुत्वं इत्यतः तौजोविशेषात्तन्तामावप्रागभावानां प्रत्यक्षानुपपन्नमात्रेति दीधितिर्व्याख्यान्तो भागः ।	01	25
iv		आंतरिकमूल्यांकनम्	01	25
i	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	(सदिनकरी) आदितः प्रत्यक्षनिरूपणान्तो भागः	01	25
ii	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	(सदिनकरी) उपमानखण्डतः मन्तो निरूपणान्तो भागः	01	25
iii		आंतरिकमूल्यांकनम्		
i	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	आदितः अनुमानखण्डान्तो भागः	01	25
ii	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली	उपमानखण्डतः शब्दखण्डान्तो भागः	01	25
iii		आंतरिकमूल्यांकनम्		

[Handwritten signature and text]

तृतीयधिसत्रम्

पूर्वमीमांसं

२२

	इकाईसंख्या	ग्रन्थनाम्नानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	मीमांसासूत्रम् प्रक. १४ भा. १	अग्निरतो मत्तर्पणं वाचसापमन्त्रम् ।	01	25
	ii	विश्वे निषमिन्तः प्र. १५	विश्वे निषमिन्तात् मात्मा तर्पणं विष्मदे तर्पन्तं ।	01	25
	iii		होत्र-निष्प्रणात् प्रजापतेर्कादविश्वे तर्पन्तं ।	01	25
	iv		आन्तरिकं सूत्रमांकनं	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	मीमांसा सूत्रम् प्रक. १४ भा. १	मन्त्रविष्मदे अश्ववादि विश्वे विष्मदे मावत् ।	01	25
	ii		नामधेयं प्रमात्रम विष्मदे ।	01	25
	iii		विश्वे विष्मदे, अश्ववादि विष्मदे, अश्ववादि विष्मदे	01	25
	iv		आन्तरिकं सूत्रमांकनं ।	01	25
Minor 1 सहायकशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i	मीमांसीयसूत्रम् प्रक. १४ भा. १	प्रथम पादः द्वितीय पादः ।	01	25
	ii		तृतीय पादः चतुर्थ पादः ।	01	25
	iii		आन्तरिकं सूत्रमांकनं ।		
	iv		प्रथम पादः द्वितीय पादः ।	01	25
Minor 2 सहायकशास्त्रीयविषये चतुर्थपत्रम्	i	मीमांसीयसूत्रम् प्रक. १४ भा. १	प्रथम पादः चतुर्थ पादः ।	01	25
	ii		तृतीय पादः चतुर्थ पादः ।	01	25
	iii		आन्तरिकं सूत्रमांकनं ।		
	iv		प्रथम पादः द्वितीय पादः ।	01	25

२१/०५/२०२०

पूर्व मीमांसा विभाग

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

तृतीयाधिसत्रम्

अभ्युपगमः

23

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकः
Minor 1 संख्यविषये सामान्यपत्रम्	i	सांख्यकारिका 1-9 कारिका पर्यन्तम्	01	25
	ii	सांख्यकारिका 10-18 कारिका पर्यन्तम्	01	25
	iii	सांख्यकारिका 19-27 कारिका पर्यन्तम्	01	25
	iv	सांख्यकारिका 28-36 कारिका पर्यन्तम्	01	25
Minor 2 संख्यविषये तृतीयपत्रम्	i	योगसारसङ्ग्रहः योगस्वरूपतः असमप्रत्यक्षातः योगस्वरूप पर्यन्तम्	01	25
	ii	योगसारसङ्ग्रहः योगफलतः भवप्रत्यय पर्यन्तम्	01	25
	iii	योगसारसङ्ग्रहः योगाधिकारतः क्रियायोग पर्यन्तम्	01	25
	iv	योगसारसङ्ग्रहः क्रियायोगफलतः संयम तद् भेद पर्यन्तम्	01	25
Minor 1 सांख्यशास्त्रीयविषये तृतीयपत्रम्	i	सांख्यकारिका 1-9 कारिका पर्यन्तम्	01	25
	ii	सांख्यकारिका 10-18 कारिका पर्यन्तम्	01	25
	iii	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	योगसारसङ्ग्रहः योगस्वरूपतः असमप्रत्यक्षातः योगस्वरूप पर्यन्तम्	01	25
	ii	योगसारसङ्ग्रहः योगफलतः भवप्रत्यय पर्यन्तम्	01	25
	iii	आन्तरिकमूल्यांकनम्		

24

13

तृतीयाधिसूत्रम् - फेरीसूत्रम्

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Module 1 पुस्तकविषय अध्यापनक्रमः	i	आदितः द्वितीय पटलः पर्यन्तम्	01	25
	ii	तृतीय चतुर्थ पटलः पर्यन्तम्	01	25
	iii	योगपाठ 1-15 श्लोकपर्यन्तम्	01	25
	iv	16-30 श्लोकपर्यन्तम्	01	25
Module 2 पुस्तकविषय वितरण प्रश्नः	i	वरिवस्यारहस्यम् भास्कररायकृतं सटीकम्	01	25
	ii	14-30 श्लोकपर्यन्तम्	01	25
	iii	31-47 श्लोकपर्यन्तम्	01	25
	iv	48-53 श्लोकपर्यन्तम्	01	25
Module 3 अन्तरिककक्षासूत्रीयविषये सूचीयप्रश्नम्	i	हठयोगप्रदीपिका	01	25
	ii	हठयोगप्रदीपिका	01	25
	iii	आन्तरिकमूल्यांकनम्		
Module 4 Disciplinary संगुणप्रश्नम्	i	सिद्धसिद्धान्त पद्धतिः	01	25
	ii	सिद्धसिद्धान्त पद्धतिः	01	25
	iii	आन्तरिकमूल्यांकनम्		

द्वितीयवर्षीय त्रैमासिक

25

क्र.सं.	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Semester 1 प्रथमवर्षीय पत्रम्	i	रघुवन्दकारिका	1-13 श्लोक पर्यन्तम्	01	25
	ii	रघुवन्दकारिका	14-25 श्लोक पर्यन्तम्	01	25
	iii	कामकलाविलासः	1-11 श्लोक पर्यन्तम्	01	25
	iv	कामकलाविलासः	12-23 श्लोक पर्यन्तम्	01	25
आन्तरिक मूल्याङ्कनम्					
Semester 2 द्वितीयवर्षीय पत्रम्	i	विपुलरहस्यम्	1-5 अध्याय पर्यन्तम्	01	25
	ii	विपुलरहस्यम्	6-11 अध्याय पर्यन्तम्	01	25
	iii	प्रपञ्चसारतन्त्रम्	1-2 पटल पर्यन्तम्	01	25
	iv	प्रपञ्चसारतन्त्रम्	3-4 पटल पर्यन्तम्	01	25
आन्तरिक मूल्याङ्कनम्					
Minor 1 संस्कृतसाहित्यविषये तृतीयपत्रम्	i	षट्चक्र निरूपणम्	आदितः मणिपूरचक्रान्तं	01	25
	ii	षट्चक्र निरूपणम्	रुद्रस्वरूपपादाज्ञाचक्रान्तम्	01	25
	iii		आन्तरिक मूल्याङ्कनम्		
Disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	प्रत्यभिज्ञाकारिका	ज्ञानाधिकारः	01	25
	ii	प्रत्यभिज्ञाकारिका	क्रियाधिकारः	01	25
	iii		आन्तरिक मूल्याङ्कनम्		

07

उत्तराधिकार	सम्मान	विचारित	विचारित	विचारित	विचारित	विचारित
Major-1	मुख्यविषय	प्रथमपत्रम्	1	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			2	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			3	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			4	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
Major-2	मुख्यविषय	द्वितीयपत्रम्	1	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			2	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			3	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			4	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
Minor-01	अन्तर्निहितकलात्मक	मुख्यविषय	1	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
			2	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
Multi	मुख्यविषय	प्रथमपत्रम्	1	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह
Dissciplinary	मुख्यविषय	प्रथमपत्रम्	2	अहमदशाह	अहमदशाह	अहमदशाह

[illegible][illegible]

27

2

वेदशास्त्र विभाग
साम्पूर्णनन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषय: प्राचीनसाहित्यशास्त्र, शास्त्रिक साहित्यशास्त्र
तृतीय वर्षाध्ययन
पाठ्यक्रम (कोर्स)

प्रश्नसंख्या	प्रश्नसंख्या	निर्वाचित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक:	सं. अंक
Major-1 मुख्यविषय प्रथमपत्रम्	1	अथर्ववेदशास्त्राचार्यसहितः	1	25	सं. अंक-10
	2	प्रथमाध्याये प्रथमपादः	1	25	सं. अंक-10
	3	(शास्त्रानुसन्धानम्)	1	25	सं. अंक-10
	4	अथर्ववेदशास्त्राचार्यसहितः	1	25	सं. अंक-10
Major-2 मुख्यविषय द्वितीयपत्रम्	1	तृतीयपत्रम्	1	25	सं. अंक-10
	2	- श्रीभाष्यसहितम्	1	25	सं. अंक-10
	3	द्वितीयपत्रम्	1	25	सं. अंक-10
	4	तृतीयपत्रम्	1	25	सं. अंक-10
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्र- विषय तृतीयपत्रम्	1	श्रीमद्भगवद्गीता	1	25	सं. अंक-10
	2	[सामान्य-विषयक- सम्बन्धितसाहित्य]	1	25	सं. अंक-10
Multi Disciplinary सामान्यपत्रम्	1	शास्त्रानुसन्धानम्	1	50	सं. अंक-10
	2		1	50	सं. अंक-10

31

(28)

वेदविभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, गुरुग्रामी ।
विषयः-रामानन्दवेदशास्त्रम्
नृसिंहः, राजा
पाठ्यक्रमः (कोर्स)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यक्रमः	क्रेडिट	अंकः	सं. अंक - 15+25 = 40
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	ऋग्वेदभाष्ये आद्यसंहिते	विज्ञासाहित्यकरणं, जन्मसाहित्यकरणं, आद्य- संहितासाहित्यकरणम् ।	1	25	25
	2	अथमाह्वारे अधमपादः	अथमाह्वारे आद्यसंहिते, आद्य- संहितासाहित्यकरणम् ।	1	25	
	3	(शाङ्कानेदान्तवत्)	अन्तराध्यायः, आकाशाध्यायः, आका- शविषयः ।	1	25	
	4		अन्तराध्यायः, आकाशाध्यायः, आका- शविषयः ।	1	25	
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	अथ उपनिषद् -	ईशान्यासोपनिषद् - सम्पूर्णम्	1	25	सं. अंक - 15+25 = 40
	2	प्रा. - आचार्यविश्वनाथः	द्वितीयोपनिषद् - "	1	25	
	3	प्रसादपाठ्यः	दक्षोपनिषद् (प्रमाध्यायः)	1	25	
	4		आन्तरिकप्रश्नान्तरम्	1	25	
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- विषये तृतीयपत्रम्	1	रामानुजनेदान्तवत्		1	50	सं. अंक - 15+25 = 40
	2			1	50	
Multi Disciplinary अनुसंधानपत्रम्	1	शाङ्कानेदान्तवत्		1	50	सं. अंक - 15+25 = 40
	2			1	50	

21

(29)

वेदान्त-विभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषयः—महामेदान्त, शास्त्रिणः श्रीमद्
तन्मित्राचार्य
पाठ्यक्रमः (पारस)

	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यमात्रः	क्रेडिट	अंक	
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	अष्टाध्यायीभाष्यवर्णिका	प्रतिपादिकां, अष्टाध्यायीकरणं, अष्टाध्यायीनिरूपणं	1	25	सं. अ. 76425.1 क्र. 25
	2	प्रथमब्रह्मसूत्रे प्रथमपादः।	अनन्तव्यादि, करणं, ईश्वर्यदि, करणं, आनन्दप्रका-	1	25	
	3	(शास्त्रविश्लेषणम्)	दि, करणम्।	1	25	
	4		अनन्तव्यादि, करणं, आनन्दप्रकादि, करणम्।	1	25	
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	द्वैतसूत्रम्	अनन्तव्यादि, करणं, आनन्दप्रकादि, करणम्।	1	25	सं. अ. 76425.2 क्र. 25
	2	(श्रीधरामाचार्यः)	अनन्तव्यादि, करणं, आनन्दप्रकादि, करणम्।	1	25	
	3		अनन्तव्यादि, करणं, आनन्दप्रकादि, करणम्।	1	25	
	4		अनन्तव्यादि, करणं, आनन्दप्रकादि, करणम्।	1	25	
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- यविषये तृतीयपत्रम्	1	शमानुजवेदान्तसूत्रम्	आ. म.	25	50	100 क्र. 2
	2			25	50	
Multi Disdisciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शास्त्रविश्लेषणम्		25	50	100 क्र. 2
	2			25	50	

(30)

(30)

वेदाङ्ग विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषय- वेदान्तवेदाङ्ग शास्त्रविज्ञान प्रथम
तृतीयार्ध (सी.एम.)
पाठ्यक्रम (कोर्स)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यग्रंथः	क्रेडिट	अंकः	सम्पूर्ण अंकः
Major-1 मुख्य विषय प्रथम पत्रम्	1	अष्टाध्यायी -	प्रियादादिपठनं, अन्तादिपठनं, आरम्भयोगिता -	1	25	सं.अं. 75+25 = 100 श्रे. 04
	2	स्मृति प्रथमाध्याये प्रथमपादः।	सामान्यमादिपठनं, ईश्वरमादिपठनं, आनन्दमया -	1	25	
	3	(शाङ्खायनान्तकम्)	मादिपठनम्।	1	25	
	4		अन्त्यादिपठनं, उल्काकादिपठनं, प्रणामादिपठनम्।	1	25	
Major-2 मुख्य विषय द्वितीय पत्रम्	1	सर्वनिर्णयप्रकरणम्	विशेषादिपठनं, हस्तप्रतिपिदिपठनम्।	1	25	सं.अं. 75+25 = 100 श्रे. 04
	2	लेखनीयनमान्यार्थः	आन्तरिकप्रश्नमाहकनम्।	1	25	
	3		प्रमाणप्रकरणम्	1	25	
	4		प्रणयप्रकरणम्	1	25	
Minor-01 अन्तर्निष्पन्न शास्त्री- य विषय तृतीय पत्रम्	1	वक्तव्यवेदान्तसाधनेनान्तः	आत्मसाधनाप्रकरणम्	1	25	सं.अं. 100 श्रे. 02
	2	वृत्त्या औदितमिदिपठनम्। लेखनः- मो. सुभाकरविश्वः	विशेषादिपठनं- (1) साधनामे मोक्ष- स्वरूपम्, (2) अद्वि- त स्वस्वमिच्छा।	1	50	
Multi Disciplinary साधुविषयम्	1	शाङ्खायनान्तकम्	अ) प्रकृत्यमिच्छादि शीघ्रप्रमाणम्।	1	50	सं.अं. 100 श्रे. 02
	2		ब) उपनयनप्रकारमितिः	1	50	

वेदान्त विभाग

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।

विषय - महावेदान्त, तन्त्रिका, पाठ्यक्रम (सोर्स)

31

इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यपत्र	क्रेडिट	अंकाः
Major-1 मुख्यविषय प्रथमपत्रम्	1	अष्टासूत्रभाष्यम् आचार्यश्री	1	25
	2	प्रथमप्रश्नोपनिषद् : 1	1	25
	3	(शाङ्ख्यवेदान्तम्)	1	25
	4	अष्टासूत्रभाष्यम् आचार्यश्री	1	25
Major-2 मुख्यविषय द्वितीयपत्रम्	1	द्वैतमयणम् (श्रीनिवासाचार्यः)	1	25
	2	" " " द्वैतमयणम्	1	25
	3	" " " द्वैतमयणम्	1	25
	4	आ. श.	1	25
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्र- सहायक तृतीयपत्रम्	1	शङ्खुभवेदान्तम्	1	50
	2		1	50
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शाङ्ख्यवेदान्तम्	1	50
	2		1	50

31

वेदान्त-विभाग:
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषय— **महोदधौ**, शास्त्र **विश्वविद्यालय**
तृतीयक सेत्रम्
पाठ्यक्रमः (कोर्स)

(32)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः	
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	अहमसुत्रादिक्रमादयश्चैते	अहमसादिकरणं, अहमाहदिकरणं, आहमनयोनित्व- दिकरणञ्च।	1	25	क्रेडिट
	2	प्रथमप्रश्नाये प्रथमपादः।	समन्वयादिकरणं, ईदृश्यादिकरणं, आनन्दप्रश्ना- दिकरणञ्च।	1	25	क्रेडिट
	3	(शाङ्ख्यवैशेषिकम्)	उत्तरादिकरणं, आहमसादिकरणं, प्राणादिकरणञ्च।	1	25	
	4		अहमसादिकरणं, अहमाहदिकरणं, आहमनयोनित्व- दिकरणञ्च।	1	25	
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	द्वितीयपत्रम् (श्रीविद्यासागरः)	अहमसादिकरणं - प्रथमपादस्य द्वितीयपादः	1	25	क्रेडिट
	2		" प्रथमपादस्य द्वितीयपादः	1	25	क्रेडिट
	3		" " " द्वितीयपादः	1	25	
	4		आ. प्र.	25	25	
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- विषये तृतीयपत्रम्	1	शङ्ख्यवैशेषिकम्		1	50	100
	2			1	50	क्रेडिट
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शाङ्ख्यवैशेषिकम्		1	50	100
	2			1	50	क्रेडिट

31

(33)

वेदाङ्ग विभागः
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषयः - ~~अथर्ववेदाङ्ग~~ शास्त्रिद्वितीय वर्षम्
तत्त्वविद्या सत्रम्
पाठ्यक्रमाः (कोर्स)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यासः	क्रेडिट	अंकाः	सं. 3
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	अथर्वसूत्राङ्ग-भाष्य -	प्रियास्यधिकरणं, ज-माहृदिकरणं, शास्त्रयोनिव्या- धिकरणम् ।	1	25	सं. 3
	2	स्पष्टिते प्रथमाष्टमये प्रथमपादः।	सुमन्वमाधिकरणं, ईश्वर्यधिकरणं, आनन्दमया- धिकरणम् ।	1	25	सं. 3
	3	(शास्त्रवेदान्तवत्)	अन्त्याधिकरणं, उभाकाङ्क्षाधिकरणं, प्राणाधिकरणम्,	1	25	सं. 3
	4		स्वस्वविशेषः, स्वस्वविशेषः, स्वस्वविशेषः आन्तरिकमन्त्राङ्ग-कृतम् ।	1	25	सं. 3
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	सर्वनिर्णयप्रकरणम्	प्रमाणप्रकरणम्	1	25	सं. 3
	2	श्रीश्रीवसुधामातृवः	प्रमेयप्रकरणम्	1	25	सं. 3
	3		फलसाधनप्रकरणम्	1	25	सं. 3
	4		आ. मू.	1	25	सं. 3
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- यविषये तृतीयपत्रम्	1	वसुधामातृवशास्त्रवेदान्तः वृष्ण्या औदिसिद्धिमात्रम् लेखः - श्री. सुधाकरभट्टः	द्वितीयपरिच्छेदे - (१) शास्त्रग्रन्थे मोक्ष- स्वरूपम्, (२) अद्वैत- स्वरूपविशेषः	1	50	सं. 3
	2		१) प्रकृत्यविषयादेः शीघ्रज्ञानम् प्रमाणम्। २) उपलक्षणतत्त्वनिर्णयः	1	50	सं. 3
Multi Disdisciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शास्त्रवेदान्तवत्		1	50	सं. 3
	2			1	50	सं. 3

34

वेदाङ्ग विभागः
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषयः - वेदाङ्गवेदाङ्ग शास्त्र द्वितीय वर्षम्
वृत्तियादि-सिद्धम्
पाठ्यक्रमः (कोर्स)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यसूची	क्रेडिट	अंकाः	सं. अं.
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	अथर्ववेदप्रभाङ्ग-भाष्य -	प्रस्तावनाधिकरणं, जन्मादुदधिकरणं, आरुच्योनिष्ठा- धिकरणम् ।	1	25	सं. अं. 154-155
	2	सहिते प्रथमाष्टकाय प्रथमपदः।	यमन्ययधिकरणं, ईदल्यधिकरणं, आनन्दमया- धिकरणम् ।	1	25	सं. अं. 156
	3	(शास्त्रावेदान्ततन्त्र)	अन्त्याधिकरणं, आकाशाधिकरणं, प्राणाधिकरणम्, अपानाधिकरणम्, इन्द्रियाधिकरणम्, अहंकार- आन्तरिकसंख्यकतम् ।	1	25	सं. अं. 157
	4			1	25	सं. अं. 158
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	सर्वनिर्णयप्रकरणम्	प्रमाणप्रकरणम्	1	25	सं. अं. 159
	2	लौकिकीयव्यवसायः	प्रमेयप्रकरणम्	1	25	सं. अं. 160
	3		फलसाधनप्रकरणम्	1	25	सं. अं. 161
	4		आ. मू.	1	25	सं. अं. 162
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- यविषये तृतीयपत्रम्	1	पञ्चमभेदान्तशास्त्रावेदान्तः मृष्या औलसिदिग्धप्रमाणम् - लेखः - प्रो. सुभाषचन्द्रः	द्वितीयपत्रस्थिते - (1) शास्त्रागते मोक्ष- स्वरूपम्, (2) अद्वैत- स्वरूपविशेषः	1	50	सं. अं. 163
	2		3) प्रकृत्यभिप्राये कीर्तनम् प्रमाणम्। 4) उपनिषदण्डविमर्शः	1	50	सं. अं. 164
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शास्त्रावेदान्ततन्त्र		1	50	सं. अं. 165
	2			1	50	सं. अं. 166

(35)

वेदाङ्ग विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
विषय- चन्द्रमन्त्रवेदाङ्ग शास्त्रि द्वितीय वर्ष
तृतीयपत्रम्
पाठ्यक्रम (कोर्स)

	इकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः	सं.
Major-1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	1	अष्टाध्यायी -	जिह्वादि/करणं, ज-मातृ/दि/करणं, शास्त्रयोनि/त्वा- दि/करणम् ।	1	25	154
	2	सहिते प्रथमप्रकरणे प्रथमपत्रः।	सुमन्-पमा/दि/करणं, ईकृत्य/दि/करणं, आनन्दमथा- दि/करणम् ।	1	25	
	3	(शाङ्खायैदान्तवत्)	अन्त्यादि/करणं, अकारादि/करणं, प्राणादि/करणम्	1	25	
	4		अन्तरिक्षादि/करणम्, अन्तरिक्षादि/करणम्, अन्तरिक्षादि/करणम्	1	25	
Major-2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	1	सर्वविर्णयप्रकरणम्	प्रमाणप्रकरणम्	1	25	154
	2	श्रीशिवस्वाम्याचार्यः	प्रमेयप्रकरणम्	1	25	
	3		फलसाधनप्रकरणम्	1	25	
	4		आ. म.	1	25	
Minor-01 अन्तर्विषयकशास्त्री- यविषये तृतीयपत्रम्	1	चन्द्रमन्त्रवेदाङ्गशास्त्रवेदान्तः वृष्या ओहेलसिद्धिमात्रम् लेखः- प्रो. सुधाकरमिश्रः	द्वितीयपत्रसिद्धे- (1) शास्त्रमते मोक्ष- स्वरूपम्, (2) अवि- स्वरूपविमर्शः	1	50	154
	2		1) प्रत्यक्षमिषादे शीतलस्य प्रमाणम्। 2) उपनयनत्वनिर्णयः	1	50	
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	1	शाङ्खायैदान्तवत्		1	50	154
	2			1	50	

31

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः - दर्शनम्

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम् (मुख्य विषय- 1)

क्रेडिट- 4

प्रथमपत्रम्

अंशः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम्	प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादस्य चत्वारिसूत्राणि	1	25
2	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम्	प्रथमाध्यायस्य प्रथमपादस्य पञ्चमसूत्रात् आरभ्य एकत्रिंशत्सूत्रपर्यन्तम्	1	20
3	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम्	प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादस्य प्रथमसूत्रात् षोडशसूत्रपर्यन्तम्	1	15
4	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम्	प्रथमाध्यायस्य द्वितीयपादस्य सप्तदशसूत्रादारभ्य द्वात्रिंशत्सूत्रपर्यन्तम्	1	15
5	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			25
सम्पूर्ण क्रेडिट - 04			संपूर्णांकाः - 100	

ग्रन्थ-

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - शंकराचार्य (हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या- स्वामी सत्यानन्द सरस्वती)
2. ब्रह्मसूत्र-शाङ्करभाष्य-रत्नप्रभा - शंकराचार्य (हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या- भोलेबाबा)

२६/७/२०

प्रमुख, विभाग,
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग,
संस्कृत विश्वविद्यालय,
वाराणसी।

37

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः - दर्शनम्

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम् (मुख्य विषय- 2)

क्रेडिट- 4

द्वितीयपत्रम्

अंशः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	मानमेयोदयः	प्रत्यक्षे अनुमाने चेति प्रमाणद्वयम्	1	20
2	मानमेयोदयः	उपमानात् अनुपलब्धिप्रमाणपर्यन्तम्	1	15
3	न्यायविन्दुः	प्रथमद्वितीयपरिच्छेदौ	1	20
4	न्यायविन्दुः	तृतीयपरिच्छेदः	1	20
5	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			25
सम्पूर्ण क्रेडिट 04			संपूर्णांकाः - 100	

ग्रन्थ-

1. मानमेयोदयः - नारायण भट्ट (हिन्दी व्याख्याकार- स्वामी योगीन्द्रानन्द)
2. न्याय विन्दु - धर्मकीर्ति (हिन्दी अनुवाद एवं व्याख्या- गोविन्दचन्द्र पाण्डे)

रविशंकर

प्रमाणित, तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्
दर्शनम्
संकायान्तर्गत-छात्राणाः कृते
(गौण विषय- 1)
तृतीयपत्रम्
नव्य-न्याय-परिचयः

क्रेडिट- 02

पाठ्य ग्रन्थ- मणिकणः

- | | |
|--------------------------------------|-----|
| 1. प्रत्यक्ष परिच्छेदः | -25 |
| 2. अनुमान परिच्छेदः | -25 |
| 3. उपमान परिच्छेदः - शब्द परिच्छेदः | -25 |
| 4. आन्तरिकं सूत्राङ्गत्वं हेत्वाभासः | -25 |

पाठ्य ग्रन्थः, मणिकणः, द आड्यार लाइब्रेरी रिसर्च सेन्टर।

सहायक ग्रन्थ-

1. माधुरी पंच लक्षणी, हिन्दी व्याख्या- पं. बदरीनाथ शुक्ल, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी।
2. तर्कभाषा, हिन्दी व्याख्या- पं. बदरीनाथ शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास।
3. नव्यन्याय के परिभाषिक पदार्थ, बलिराम शुक्ल, परामर्श प्रकाशन पुणे।

26/7/24
अध्यक्ष,
उपमातृक एवं दर्शन विभाग
मनुष्यिक संस्कृत विद्यापीठ
वाराणसी।

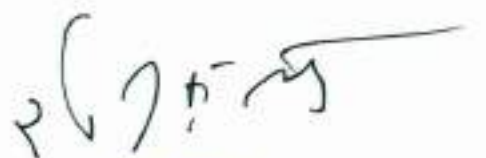
शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्
दर्शनम्
(अन्तर्विषयक गौण विषय- 2)
~~चतुर्थपत्रम्~~
भारतीय-ज्ञान-परंपरा

क्रेडिट- 02

- | | |
|---|----------------|
| 1. ज्ञानस्वरूपं – ज्ञाता-ज्ञेय-ज्ञान विचारः | -25 |
| 2. भारतीय शास्त्र विचार पद्धतिः 'कथा' -वाद, जल्प, वितण्डा- इत्यादयः | -25 |
| 3. तंत्र युक्ति – सांख्यशास्त्रे, अर्थशास्त्रे, आयुर्वेदे च। | -25 |
| 4. उपासना – भक्तिविचारः | -25 |
| अन्तरिक मूल्याङ्कनम् | -25 |

पाठ्य ग्रन्थ-

1. सांख्यतत्त्व कौमद्याः संबन्धित-अंशाः।
2. तार्किकरक्षा संग्रहस्य – संबद्धांशाः।
3. युक्तिदीपिकायाः – संबद्धांशाः, अर्थशास्त्रस्य संबद्धांशाः, सुश्रुत संहितायाः संबद्धांशाः।


अध्यक्ष,
बुधनात्मक एवं दार्शनिक विभाग
जम्बूद्वीप संस्कृत विश्व विद्यालय,
बनारस।

(40)

(17)

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः – तुलनात्मकदर्शनम्

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

धर्मदर्शनम् (मुख्य विषय- 1)

क्रेडिट- 4

प्रथमपत्रम्

अंशः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)	धर्मदर्शनस्यपरिभाषा, धर्मदर्शनस्य समस्या, लक्ष्यं क्षेत्रं च ।	1	25
2	धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)	धर्मदर्शनस्य अन्यविज्ञानैः सह सम्बन्धः उत्पत्तिविकासक्रमः ।	1	20
3	धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)	धर्मदर्शनानां प्रकाराः, स्वरूपञ्च ।	1	15
4	धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा)	ईश्वरस्य स्वरूपम्, धार्मिकानुभूतीनां दार्शनिकं विश्लेषणम्	1	15
5	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			25
सम्पूर्ण क्रेडिट - 04			संपूर्णांकाः - 100	

पाठ्य ग्रन्थ- धर्मदर्शन की रूपरेखा (लक्ष्मीनिधि शर्मा) ।

सहायक ग्रन्थ-

धर्मदर्शन की मूल समस्याएं (वेद प्रकाश वर्मा) ।

धर्म-दर्शन की रूप-रेखा (हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा) ।

अध्यक्ष,
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग-
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालय
वाराणसी ।

41

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः – तुलनात्मकदर्शनम्

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

नीतिशास्त्रम् (मुख्य विषय- 2)

द्वितीयपत्रम्

क्रेडिट- 4

अंशः	ग्रन्थः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर) भारतीय नीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः)	नीतिशास्त्रस्य विवेचनम्, विषयविस्तारः, अन्यैः शास्त्रैः सह सम्बन्धः, नैतिकाप्रत्ययाः, नैतिकनिर्णय	1	25
2	नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर) भारतीय नीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः)	नीतिशास्त्रस्य मनोवैज्ञानिक आधारः नैतिकाचरणस्य स्वरूपम् च नैतिकमानानि, तेषां सिद्धान्ताः –सुखवादः, उपयोगितावादः, पूर्णतावादः, अन्तःप्रज्ञावादः	1	20
3	नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर) भारतीय नीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः)	ऋतु, ऋणविचारः, धर्मस्य स्वरूपं च धर्मस्य दशलक्षणानि, पुरुषार्थः, वर्णाश्रमाः	1	15
4	नीतिशास्त्रम् (आचार्य विश्वेश्वर) भारतीय नीतिशास्त्रम् (दिवाकरपाठकः)	कर्मसिद्धान्तः, कर्म-फलसिद्धान्तः, पुनर्जन्मः, गीतायाः नीतिशास्त्रम्, गांधीय नीतिशास्त्रम्	1	15
5	आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्			25
सम्पूर्ण क्रेडिट - 04			संपूर्णांकाः - 100	

पाठ्य ग्रन्थ-

1. नीतिशास्त्रम् - आचार्य विश्वेश्वर
2. भारतीय नीतिशास्त्रम् - दिवाकर पाठक

25/7/20

अध्यक्ष,
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालयः
वाराणसी ।

42

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः – तुलनात्मकदर्शनम्

संकायान्तर्गत-छात्राणाः कृते

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

सामाजिक-राजनैतिक-दर्शनम् (गौण विषय- 1)

क्रेडिट- 2

तृतीयपत्रम्

अंशः	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	सामाजिक एवं राजनीतिक दर्शन की प्रकृति एवं क्षेत्र, व्यक्ति और समाज के मध्य सम्बन्ध । समाज का प्राकृतिक आधार सामाजिक संस्थाएँ- परिवार, विवाह और धर्म । समाज-केन्द्रित बनाम आत्म-केन्द्रित परिप्रेक्ष्य-दो कठिनाइयाँ ।	1	25
2	सामाजिक एवं राजनैतिक आदर्श- स्वतंत्रता, समानता, न्याय और अधिकार । मानवतावाद, बहुसंस्कृतिवाद, धर्मनिरपेक्षता ।	1	25
3	समकालीन भारतीय सामाजिक एवं राजनैतिक विचारक- गान्धी- आधुनिकता की आलोचना, सर्वोदय डॉ. अम्बेडकर- नव-बौद्ध धर्म नेहरू- मानवतावाद, लोकतंत्रवाद, समाजवाद ।	1	25
4	समाज का प्राकृतिक आधार आदर्श मूल्य		25
सम्पूर्ण क्रेडिट - 03 [02]		संपूर्णांकाः - 100	

ग्रन्थ-

1. राजनीतिक सिद्धान्त की रूपरेखा (ओ.पी. गाबा)
2. समाज दर्शन की एक प्रणाली (संगम लाल पाण्डेय)
3. समाज दर्शन (हृदय नारायण मिश्र)
4. सामाजिक राजनैतिक दर्शन (शिवभानु सिंह)

प्रमुख,
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालय
वाराणसी

(43)

सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयः, वाराणसी

तुलनात्मकधर्मदर्शन-विभागः

2020 नूतनशिक्षानीत्यनुसारी पाठ्यक्रमः

विषयः - तुलनात्मकदर्शनम्

(अन्तर्विषयक गौण विषय- 2)

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

तर्कशास्त्र
पतञ्जलिपत्रम्

क्रेडिट- 3

क्र.सं.:	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अङ्काः
1	तर्कशास्त्र का स्वरूप, परिभाषा और विषय-क्षेत्र विषय के कार्य, परिभाषा का उद्देश्य और प्रकार	1	25
2	निरुपाधिक तर्कवाक्य- तर्कवाक्य और वाक्य में अन्तर, तर्कवाक्य का वर्गीकरण, परम्परागत विरोध-वर्ग, अनुमान- निगमनात्मक और आगमनात्मक	1	25
3	निरपेक्ष न्यायवाक्य- निरपेक्ष न्यायवाक्य की परिभाषा, अवस्था एवं आकृति	1	25
4	भाषा के कार्य, परिभाषा का अन्तर्सिद्धि मूल्यङ्कनम् उद्देश्य और प्रकार		25
सम्पूर्ण क्रेडिट - 02 [02]		संपूर्णांकाः - 100	

ग्रन्थ-

1. तर्कशास्त्र का परिचय (इरविंग एम. कापी)
2. तर्कशास्त्र परिचय (केदारनाथ तिवारी)

26/7/25

अध्यक्ष,
तुलनात्मक धर्म दर्शन विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्व विद्यालयः
वाराणसी।

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम्

जैनदर्शन

44

Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट
	i	प्रमाणमीमांसा- प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकपर्यन्तम्	प्रमाणमीमांसा - शब्दस्य शब्दकारणस्य च वैशिष्ट्यम्	01
	ii	प्रमाणमीमांसा- प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकपर्यन्तम्	प्रथमाध्यायस्य प्रथमाह्निकस्य प्रमाणस्वरूप विवेचनम्	01
	iii	प्रमाणमीमांसा- प्रथमाध्यायस्यप्रथमाह्निकपर्यन्तम्	द्वितीयाह्निक समाप्तिपर्यन्तम्	01
	iv	-----	आन्तरिकं कार्यम्	01
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	तत्त्वार्थसूत्र - हिंसायाः विभिन्न प्रकाराः	01
	ii	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	सम्यग्दर्शनस्य स्वरूपम्	01
	iii	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	सम्यग्ज्ञानस्य स्वरूपम्	01
	iv	-----	आन्तरिकं कार्यम्	01

तृतीयसमेष्ट

जैनदर्शन

Minor - 01 अन्तर्विषयकशास्त्रीयविष ये तृतीयपत्रम्	i	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	जैनदर्शनस्य सामान्य परिचयः	01
	ii	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	प्रत्यक्ष प्रमाणम्	01
	iii	तत्त्वार्थसूत्र (आचार्य उमास्वाति)	परोक्ष प्रमाण विवेचनम्	
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	i	जैनदर्शनस्येतिहासः (	जैनदर्शनस्येतिहासः	01
	ii	जैनदर्शनस्येतिहासः	जैनदर्शनस्यानेकान्तवादः	01
	iii	जैनदर्शनस्येतिहासः	महाव्रतः	

4- दत्ता, के. के. आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली 1975।

नृ. मध्यवेदान्त,
वृत्तमनेदान्त,
सांख्ययोग,

तृतीयाधिसत्रम् लोहदशान

45 19

इकाईसंख्या	सूचकाक्षरानि	निर्धारितपाठ्यांशः	कालः	अंकाः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	(क) बोधिवर्णवतार - श्री. रामशंकर विपाठी, केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, बौधलनगर, लेह, लद्दाख। (ख) बोधिवर्णवतार - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, बाराणसी।	बोधिवर्णवतार. (प्रथम - द्वितीय - तृतीय - परिच्छेदाः)	01 25
	ii		बौद्धवैदिकाप्रज्ञापारमिता	01 25
	iii	(क) अभिधर्मकोश - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, बाराणसी। (ख) अभिधर्मकोश - आचार्य नरेन्द्र देव, हिन्दुस्तानी- एकेडेमी, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।	अभिधर्मकोशम् (प्रथम कोशस्थानम्)	01 25
	iv		आन्तरिक कार्य (Assignment)	01 25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	(क) विजयिमात्रतानिष्ठिः - सम्पादकः श्री. रामशंकर विपाठी, सम्युपाजगदधर्मकृतविश्वविद्यालयः बाराणसी। (ख) विजयिमात्रतानिष्ठिः - डॉ. महेश तिवारी, बौद्धधर्मा विद्याभवन, बाराणसी।	बहुबन्धुकृता विजयिमात्रतानिष्ठिः (विशिष्टा) स्मिरप्रतिपाद्यमहिता	01 25

लोहदशान तृतीयसमेष्ट

	ii	अद्वैतलोकवतारसूत्रम् - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, बाराणसी।	संकायसारसूत्रम् (3-4 परिचर्ताः)	01 25
	iii	(क) बोधिवर्णवतार - श्री. रामशंकर विपाठी, केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, बौधलनगर, लेह, लद्दाख। (ख) बोधिवर्णवतार - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, बाराणसी।	बोधिवर्णवतारः (चतुर्थ पंचम परिच्छेदाः)	01 25
	iv		आन्तरिक कार्य (Assignment)	01 25
			अभिधर्मकोशम् (द्वितीय कोशस्थानम्)	01 25
Minor - 01 अन्तर्विषयकाक्षीयविषये तृतीयपत्रम्	i	(क) अभिधर्मकोश - स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, बौद्धभारती, बाराणसी। (ख) अभिधर्मकोश - आचार्य नरेन्द्र देव, हिन्दुस्तानी- एकेडेमी, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।		01 25
	ii		प्रसंगिकीकृतः हेतुविन्धुः	01 25
	iii	शिक्षा - समुद्रव - मिथिलाविद्यापीठप्रधानेन प्रकाशितः।	शिक्षा समुद्रवः (प्रथमः परिच्छेदः)	01 25
				01 25
Multi Disciplinary चतुर्थपत्रम्	i			
	ii			
	iii			

तृतायाधसत्रम् पाले

46

20

Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	इकाईसंख्या	पुस्तकनामानि	निर्धारितपाठ्यार्थः	अंकः	समयः
	i	मज्झिमनिकायो - सम्पादक - व्यासो इन्द्रिकादामशास्त्री, बौद्धभारती, वाराणसी।	मज्झिमनिकायो - सम्पादितदिनृत, अलगदुपमसुत्तं।	01	25
	ii	मज्झिमनिकायो - विद्वद्वना विशोधन विन्वात, इगलपुरी।	मज्झिमनिकायो - अरिषपरिषेसनसुत्तं, पातरासिनुत्तं।	01	25
	iii	पालि निबन्धावलि - डॉ० हरिसंकर शुक्ल, वाराणसी एजेन्सी, वाराणसी।	बुद्धधम्मस अवधारणा - तिसरणं, तिसकण्णं, पञ्चआ, उपसम्पदा, उपोसमं, कम्मावासो, पबारणा।	01	25
	iv		अन्तरिक कार्य (Assignment)	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	पालि व्याकरण - मिथु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।	पालिव्याकरण - इकारान्त पुल्लिङ्ग शब्द रूप - मुनि, ब्राह्मि, इति ईकारान्त इत्थिलिङ्गशब्द रूप - इत्थी, गदी तुदादिगण - धातुओं के तीनों कालों में।	01	25
	ii	कञ्जायन व्याकरण - लक्ष्मी नारायण तिवारी व बीरबल शर्मा, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।	सन्धि - (सर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि, निष्पहीत सन्धि)।	01	25
	iii	पालि व्याकरण - मिथु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।	अभ्यास व अनुवाद (पालि में हिन्दी, हिन्दी में पालि)।	01	25
	iv		अन्तरिक कार्य (Assignment)	01	25
Minor - 01 निर्वाचितकक्षास्वीयविषये	i	दीर्घनिकाय - सम्पादक - स्वामी इन्द्रिकादामशास्त्री, बौद्धभारती,	(क) दीर्घनिकायो - नामधेयकलसुत्तं (ख) आतक - तत्तयातक, उदयकण्डजातक, आतर्हितातक, अकण्डजातक	01	25

पाले द्वितीयपत्रम्

द्वितीयपत्रम्	वाराणसी।	सहितधम्मजातकं।		
	i	जातक - भयल आनन्द कौलम्पायन, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, अछाट।		
	ii	पालि व्याकरण - मिथु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।	पालि-व्याकरण - पालि शब्द रूप 'बुद्ध, जता, फल। भ्रादिगण के धातु रूप - वठ, रम, हुस (तीनों कालों में)।	01 25
	iii	पालि व्याकरण - मिथु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।	अभ्यास व अनुवाद (पालि में हिन्दी, हिन्दी में पालि)।	
Multi Disciplinary वस्तुचित्रम्	i	कञ्जायन व्याकरण - लक्ष्मी नारायण तिवारी व बीरबल शर्मा, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।	सन्धि - (सर सन्धि, व्यञ्जन सन्धि, निष्पहीत सन्धि)।	01 25
	ii	पालि व्याकरण - मिथु धर्मरक्षित, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।	पालिव्याकरण - इकारान्त पुल्लिङ्ग शब्द रूप - मुनि, ब्राह्मि, इति ईकारान्त इत्थिलिङ्गशब्द रूप - इत्थी, गदी तुदादिगण - धातुओं के तीनों कालों में।	01 25

शास्त्री तृतीयाधिसत्रम् प्राक्ख स्वजैनागम

(21)

(45)

इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Major 1 मुख्यविषये प्रथमपत्रम्	i	सेतुबन्ध महाकाव्य	01	25
	ii	सेतुबन्ध महाकाव्य	01	25
	iii	सेतुबन्ध महाकाव्य	01	25
	iv	आन्तरिकं कार्यम्	01	25
Major 2 मुख्यविषये द्वितीयपत्रम्	i	गडडवहो महाकाव्य 1-100 गाथापर्यन्तम्	01	25
	ii	गडडवहो महाकाव्य 1-100 गाथापर्यन्तम्	01	25
	iii	गडडवहो महाकाव्य 1-100 गाथापर्यन्तम्	01	25
	iv	आन्तरिकं कार्यम्	01	25
Minor - 01 सहायकशास्त्रीविषये तृतीयपत्रम्	i	समणमुत्तं	01	25
	ii	समणमुत्तं	01	25
	iii	समणमुत्तं	01	25
Multi	i	प्राकृतवैशिष्ट्यम्	01	25

Disciplinary चतुर्थपत्रम्	ii	सेतुबन्ध महाकाव्य	प्रवरमेनस्य जीवनम्	01	25
	iii		जैन द्रव्य निरूपणम्		

प्राक्ख स्वजैनागम तृतीय सेमेस्टर

48 29

संस्कृतविद्या विभागीय शास्त्रिपाठ्यक्रमः (रा०शि०नीति 2020)
शास्त्रितृतीयाधिसत्रे

Major-I

होरात्रयम्

पूर्णांक : 100

अंशः	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	अजन्तप्रकरणम्	01	25
द्वितीयोऽशः	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	हलन्तप्रकरणम्	01	25
तृतीयोऽशः	तर्कसंग्रहः पदकृत्यसहितम्	अनुमान-उपमान-शब्दखण्डाश्च	01	25
चतुर्थोऽशः		आन्तरिक कार्यम्	01	25

Major-02

होरात्रयम्

पूर्णांक : 100

अंशः	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमोऽशः	काव्यप्रकाशः	चतुर्थ उल्लासः	01	25
द्वितीयोऽशः	शिशुपालवधम्	प्रथमःसर्गः	01	25
तृतीयोऽशः	किरातार्जुनीयम्	द्वितीयःसर्गः	01	25
चतुर्थोऽशः	आन्तरिक कार्यम्		01	25

संस्कृतविद्या विभागीय शास्त्रिपाठ्यक्रमः (रा०शि०नीति 2020)

तृतीयाधिसत्रे

Minor-Elective-01

होरात्रयम्

पूर्णांक : 100

अंशः	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमोऽंशः	महाभाष्यम्	शब्दार्थसम्बन्धः, शब्दस्वरूपम्, प्रत्याहारः	01	25
द्वितीयोऽंशः	लघुसिद्धान्तकौमुदी	दशगण प्रतिनिधि धातुरूपम्	01	25
तृतीयोऽंशः	मनुस्मृतिः	धर्मलक्षम्, संस्कारपरिज्ञानम्	01	25
चतुर्थोऽंशः		आन्तरिक कार्यम्	01	25

Minor-Elective-2

होरात्रयम्

पूर्णांक : 100

अंशः	ग्रन्थनामानि	पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
प्रथमोऽंशः	संस्कृतसाहित्येतिहासः	प्राकृतसाहित्य परिचयः	01	25
द्वितीयोऽंशः	संस्कृतसाहित्येतिहासः	पद्यसाहित्यस्य-धम्पूकाव्यस्य च परिचयात्मकं ज्ञानम्	01	25
तृतीयोऽंशः	सर्वदर्शनसंग्रहः	प्रमाणविमर्शः	01	25
चतुर्थोऽंशः		आन्तरिक कार्यम्	01	25

(51)

(24)

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर, चतुर्थ पत्र (बहुविषयक)

इतिहास

आधुनिक भारत 1957-1950A.D.

क्रेडिट -2

पूर्णांक-100(75+25)

न्यूनतम-36

यूनिट-1

लार्ड लिटन और लार्ड रिपन, लार्ड कर्जन और बंगाल विभाजन

यूनिट-2

कृषि का व्यवसायीकरण और भारत पर इसका प्रभाव, रेलवे का विकास एवं उसका प्रभाव, बैंकिंग प्रणाली, धन निष्कासन का सिद्धांत।

यूनिट-3

औपनिवेशिक भारत में शिक्षा का विकास, मोर्ले- मिंटो सुधार, भारत सरकार अधिनियम 1919, और 1935। इंडला में संप्रदायिकता का उदय और विकास।

यूनिट-4

स्वतंत्रता के बाद रियासतों का विलय और सरदार बल्लभ भाई पटेल की भूमिका।

सहायक ग्रंथ-

- 1- बनर्जी ए. सी. : आधुनिक भारत का नया इतिहास 1707-1947, कलकत्ता 1983।
- 2- देसाई ए. आर., भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठ भूमि, मुंबई मटकोई लोकप्रिय प्रकाशन 1948।
- 3- छाबड़ा, जी. एस. आधुनिक भारत का उन्नति इतिहास, स्टर्लिंग प्रकाशन, 1989।
- 4- दत्ता, के. के. आधुनिक भारत का सामाजिक इतिहास, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली 1975।
- 5- गोवर बी. एल. : आधुनिक भारतीय इतिहास पर एक नया दृष्टिकोण 1985

स्वयम (SWAYAM) समतुल्य पाठ्यक्रम

हिस्ट्री ऑफ इण्डिया VI क्रेडिट-5

पाठ्यक्रम समन्वयक - डॉ. विकास राठी

संस्था-सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ पंजाब भटिंडा।

म. ल. रा. गुप्ता

प्रवेश भा. गुप्ता

र.

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
इतिहास

क्रेडिट-3
पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

आधुनिक भारत का इतिहास-1740 से 1935 ई. तक

इकाई-1

दक्षिण में आंग्ल-फ्रांसीसी संघर्ष, पानीपत का तृतीय युद्ध, प्लासी एवं बक्सर का युद्ध, अंग्रेजी राज्य की स्थापना एवं क्लाइव, हेस्टिंग्स, कार्नवालिस, वेलेजली, डलहौजी, बेंटिक।

इकाई-2

भारत-नेपाल सम्बन्ध, भारत-बर्मा संघर्ष, अफगानिस्तान, बर्मा एवं तिब्बत के साथ संघर्ष एवं सम्बन्ध।

इकाई-3

कम्पनी एवं भारतीय राज्यों का सम्बन्ध (मराठा, मैसूर, अवध, हैदाराबाद), 1857 का प्रथम मुक्ति संग्राम, भारत ब्रिटिश शासन में (लिटन, रिपन, कर्जन)।

इकाई-4

रेगुलेटिंग एक्ट, पिट्स इण्डिया एक्ट, 1909, 1919, 1935 के अधिनियम, भारत में पुनर्जागरण आन्दोलन।

सन्दर्भ-ग्रन्थ

1. भारतीय इतिहास (तीन खण्ड)- जी. एस. छाबड़ा
2. आधुनिक भारत का इतिहास -बी. एल. ग्रोवर व यशपाल
3. आधुनिक भारत का इतिहास- एम. एस. जैन
4. अर्वाचीन भारत -ईश्वरीय प्रसाद और शरद कुमार सूबेदार
5. आधुनिक भारत का इतिहास -सरकार और दत्त
6. ए हिस्ट्री ऑफ इण्डिया - पी. स्पीयर
7. भारत का स्वतंत्रता संघर्ष- बिपिन चन्द्र
8. हिस्ट्री ऑफ ब्रिटिश इण्डिया -पी.ई. राबर्ट।
9. आधुनिक भारत का इतिहास -जे.पी. मिश्रा

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर, चतुर्थ पत्र (बहुविषयक)
प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति
दक्षिण भारत का राजनीतिक इतिहास (1000-1300 AD)

क्रेडिट -2

पूर्णांक-100(75+25)

न्यूनतम-36

यूनिट-1

दक्षिण भारत का इतिहास अध्ययन के स्रोत, संगम साहित्य का राजनीतिक संरचना में योगदान, पल्लव राजवंश।

यूनिट-2

राष्ट्रकूट राजवंश, ध्रुव, गोविंद तृतीय, अमोघवर्ष, कृष्ण द्वितीय, इंद्र तृतीय, कृष्ण तृतीय, वतापी के चालुक्य, वेंगी के चालुक्य तथा कल्याणी के चालुक्य राजवंश

यूनिट-3

चोल, चेर राजवंश, मदुरै का पांडेय राजवंश का राजनीतिक इतिहास, तालकोडा के गंग राजवंश, वनवासी के कदंब राजवंश

यूनिट-4

देवगिरि के यादव, वारंगल के काकतीय राजवंश, महादेवी रुद्रमा देवी का राजनैतिक मूल्यांकन, द्वार समुद्र के होयसल राजवंश।

सहायक ग्रंथ-

- 1- शास्त्री नीलकंठ-history of South India, vihar granth academy, patana.
- 2- श्रीवास्तव बलराम:दक्षिण भारत का इतिहास, चौखंभा वि. वि. वाराणसी।
- 3- Yazadani G. :the early history of decan, London
1. A.K.Majumdar the chalukyas of Gugarat, Bomby, 1955
- 4- R. Gopal :history of pallavas of kanchi, madras, 1928
2. K.A.Neelkanth shastri:the cholas 2nd Edn madras 1955

म. ल. क. गुप्ता

प्रवेशिका
25/05/25

F.

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति

क्रेडिट-3

पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ

इकाई-1

मानव सभ्यता के उद्भव के विभिन्न सोपानों का सर्वेक्षण, नदियों की घाटियों में सभ्यताओं का उद्भव।

इकाई-2

पश्चिम एशिया की सभ्यताएँ-सुमेरिया, बेबीलोनिया, सीरिया, ईराक, मिश्र, यूनान, ईरान एवं चीन की सभ्यता।

इकाई-3

दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय संस्कृति, उपनिवेशीकरण के कारण एवं सम्पर्क के माध्यम, कम्बुज, चम्पा, जावा, सुमात्रा।

इकाई-4

दक्षिण पूर्व एशिया के समाज, शिक्षा एवं साहित्य कला का अध्ययन।

सहायक-पुस्तकें

1. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- श्रीराम गोयल।
2. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- शिवस्वरूप सहाय ।
3. विश्व की प्राचीन सभ्यताएँ- रामछत्र मिश्रा।
4. विश्व इतिहास - रामप्रसाद त्रिपाठी।
5. सभ्यता की कहानी - विल डूरेन्ट।
6. सुदूर पूर्व भारतीय संस्कृति एवं उसका इतिहास -बैजनाथ पूरी।
7. सुदूर पूर्व में भारतीय उपनिवेश -आर.सी. मजूमदार।
8. दक्षिण-पूर्वी और दक्षिणी-एशिया में भारतीय संस्कृति - सत्यकेतु विद्यालंकार।

प्रश्न पत्र में 75 अंको की लिखित परीक्षा होगी तथा 25 अंक रेगुलेटरी/प्रेजेन्टेशन, क्लासटेस्ट एवं परियोजना कार्य के लिए निर्धारित हैं।

यूनिट-1

पर्यावरणीय अर्थशास्त्र का अर्थ, क्षेत्र, प्रकृति, पृथ्वी और उसका पर्यावरण, पर्यावरण की समस्याएं, पर्यावरण के वाह्य प्रभाव, पर्यावरणीय प्रदूषण: जल, भूमि, वायु, ध्वनि, रेडियोधर्मी प्रदूषण के प्रभाव, संरक्षण और प्रबन्धन। संधारणीय विकास का विचार, परिभाषा, प्रबन्ध, हरित-सकल घरेलू उत्पाद।

यूनिट-2

आधारभूत पर्यावरणीय तथ्य, आधारभूत समस्याएं, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकीय। पारिस्थितिकीय एवं पारिस्थितिकीय तन्त्र में अन्तर, भौतिक-सन्तुलन सिद्धान्त, पर्यावरणीय विकास एवं व्यापार, आर्थिक वृद्धि की पर्यावरणीय लागत, आर्थिक वृद्धि की सीमाएं।

यूनिट-3

गरीबी एवं पर्यावरणीय गिरावट, समावेशी विकास, जनसंख्या वृद्धि एवं पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण, भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण, पर्यावरण परिवर्तन एवं व्यापार, पर्यावरणीय उत्सर्जन कर, वैश्वीकरण का पर्यावरण पर प्रभाव।

यूनिट-4

संसाधन प्रबन्ध का अर्थशास्त्र, अक्षय ऊर्जास्रोत, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल-विद्युत ऊर्जा, परम्परागत ऊर्जा वैश्विक पर्यावरण एवं प्रबन्ध, पर्यावरणीय वस्तुओं एवं सेवाओं के मूल्यांकन की पद्धति, संसाधनों का संरक्षण।

पाठ्य पुस्तकें-

1. सेनगुप्ता आर. (2013) इकोलॉजिकल लिमिटस् एण्ड इकोनॉमिक डेवलपमेन्ट क्रियेटिंग स्पेश, ओयूपी. एन. देलही।
2. शंकर, पृ. (इडी.) 2001, इनवामेन्टल इकोनॉमिक, ओयूपी. एन. देलही।
3. टाइटेनवर्ग, टी (1994) इनवामेन्टल इकोनॉमिक एण्ड पॉलिसी, हारपर कोलिन्स, एन. वाई।
4. कोलस्टेड, सी डी (1999) इनवामेन्टल इकोनॉमिक ओयूपी. एन. डी।

स्वयम (SWAYAM) समतुल्य पाठ्यक्रम Environmental Economics पाठ्यक्रम समन्वयक- प्रो. रविन्द्र कुमार, संस्था- तुमकुर विश्वविद्यालय। क्रेडिट-05

14-8-25

18-8-25

18-8-25

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
अर्थशास्त्र

क्रेडिट-3
पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

मुद्रा, बैंकिंग, विदेशी विनिमय एवं लोकवित्त

इकाई-1

मुद्रा का परिमाण सिद्धान्त, बचत व विनियोग सिद्धान्त (Saving & Investment theory), निर्देशांक- निर्माण, महत्त्व व सीमायें, मुद्रास्फीति व अपस्फीति (Inflation & Deflation), साख-मुद्रा का निर्माण, मौद्रिक मान-स्वर्णमान, पत्रमान।

इकाई-2

बैंकिंग-बैंकों के कार्य एवं महत्त्व, केन्द्रीय बैंक, साख नियन्त्रण के ढंग, बैंकों का राष्ट्रीयकरण।

इकाई-3

विदेशी विनिमय-दर, उसका निर्धारण व उसमें परिवर्तन, स्वर्णबिन्दु क्रयशक्ति समता सिद्धान्त (Purchasing Power Parity Theory), भुगतान सन्तुलन, अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्थायें।

इकाई-4

कर निर्धारण के सिद्धान्त, सार्वजनिक व्यय, सार्वजनिक ऋण, राजकोषीय नीति (Fiscal Policy), राजस्व सम्बन्धी कौटिल्य के सिद्धान्त।

सहायक-पुस्तकें

1. मौद्रिक सिद्धान्त व संस्थाये -श्याममोहन अग्रवाल व-बालचन्द्र श्रीवास्तव
2. मुद्रा बैंकिंग, विदेशी विनिमय
3. मुद्रा चलन व अधिकोषण -सिंह एवं शुक्ल
4. मुद्रा बैंकिंग विदेशी विनिमय तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार -हजेला व परमार
5. मुद्रा तथा बैंकिंग -रत्न व गोलवलकर
6. आदर्शमुद्रा व भारतीय बैंकिंग -आदित्य मिश्र व बृजमोहन नागर
7. Money-Robertson
8. An Outline of Money-Crowther
9. Principles of Money and Banking -Moti Ram
10. कौटिल्य अर्थशास्त्र-मीमांसा-गोपाल दामोदर तामसकर
11. जे.सी. पंत- राजस्व।
12. एम.एल. झिंगन- अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र।

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर चतुर्थ पत्र (बहुविषयक)
पर्यावरण भूगोल

क्रेडिट-02

पर्यावरण भूगोल

पूर्णांक-100 (75+25)
न्यूनतम-36

इकाई-1

पर्यावरण भूगोल का व्यापक दृष्टिकोण, पर्यावरण के प्रकार, पर्यावरणीय बोध, पर्यावरण एवं समाज, पर्यावरण एवं विकास।

इकाई-2

पारिस्थितिकी एवं पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा, एक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में जीवमंडल एवं पारिस्थितिकी तंत्र के अजैविक एवं जैविक घटक, पारिस्थितिकी उत्पादन एवं ऊर्जा प्रवाह-स्तर, खाद्य जाल, पारिस्थितिकी पिरामिड, जैव-भू-रासायनिक चक्र-नाइट्रोजन, जल विज्ञान चक्र, कार्बन चक्र।

इकाई-3

पर्यावरणीय खतरे, प्राकृतिक खतरे- बाढ़, सूखा, भूस्खलन, मृदा अपरदन, भूकंप, मरुस्थलीकरण। मानव निर्मित खतरे- शहरीकरण, औद्योगीकरण, तकनीकी खतरे, वैश्विक जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन रिक्तीकरण।

इकाई-4

पर्यावरण प्रदूषण, प्रदूषण के स्रोत और प्रदूषण के प्रकार- जल प्रदूषण, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण प्रदूषण एवं स्वास्थ्य, पर्यावरण शिक्षा, पर्यावरण निगरानी, पर्यावरणीय प्रभाव विश्लेषण, पर्यावरणीय नीतियाँ एवं कानून, पर्यावरण प्रबंधन।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. अंजुनेयुलु, वाई. (2002): पर्यावरण प्रभाव आकलन पद्धतियाँ, बी एस प्रकाशन, हैदराबाद।
2. अंजुनेयुलु, वाई. (2004): पर्यावरण विज्ञान का परिचय, बी एस पब्लिकेशन्स, हैदराबाद।
3. गौतम, ए. (2007): पर्यावरण भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
4. कायस्थ, एसएल और कुमरा, बी.के. (1986): पर्यावरण अध्ययन, तारा बुक एजेंसी, वाराणसी।
5. खोशू, टीएन (1981): पर्यावरण संबंधी चिंताएँ और रणनीतियाँ, आशीष पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. राज ग्रीष्मालन, आर. (2005): पर्यावरण अध्ययन: संकट से इलाज तक, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली।
7. रेड्डी, एम.ए. (2004): पर्यावरण प्रबंधन के लिए भू सूचना विज्ञान, बी.एस. प्रकाशक, हैदराबाद।

स्वयम (SWAYAM) समतुल्य पाठ्यक्रम Environmental Geology पाठ्यक्रम
समन्वयक- गौरव कुमार सिंह, संस्था- हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर। क्रेडिट-02

Aut

18-8-25

18-8-25

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
भूगोल

क्रेडिट-3
पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

पर्यावरण आपदा प्रबन्धन एवम् जलवायु परिवर्तन

इकाई-1

पर्यावरण की संकल्पना, परिस्थैतिकी एवम् परिस्थैतिकी तन्त्र।

इकाई-2

भूमि, जल, वायु प्रदुषण, वन विनष्टीकरण, ठोस अपशिष्ट निस्तारण।

इकाई-3

टेहरी बाँध एवम् नर्मदा घाटी परियोजना, हरितग्रह प्रभाव तथा वैश्विक ताप।

इकाई-4

बाढ़, सूखा, भू-स्खलन, रासायनिक एवम् आजविक आपदा-आपदा प्रबन्धन, पर्यावरण संरक्षण एवम् सतत विकास।

सहायक पुस्तकें-

1. पर्यावरण, आपदा प्रबन्धन एवम् जलवायु परिवर्तन -डा. रतन जोशी, साहित्य भवन पब्लिकेशन्स, आगरा।
2. पर्यावरण आपदा प्रबन्धन व जलवायु परिवर्तन -डॉ. गणेश कुमार पाठक, राजेश पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
3. पर्यावरण एवम् संविकास- प्रो. जगदीश सिंह, ज्ञानोदय प्रकाशन, गोरखपुर।
4. पर्यावरण भूगोल- प्रो. सविन्द्र सिंह, प्रयाग पुस्तक भवन, प्रयागराज।

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर, चतुर्थ पत्र (बहुविषयक)

२०२१-२२

आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारक

क्रेडिट-02,

पूर्णांक -100 (75+25)

1. राजाराम मोहन राय, दयानन्द सरस्वती, विवेकानन्द, अरविन्द घोष,
2. महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बी आर अम्बेडकर,
3. एम एन राय, राममनोहर लोहिया,
4. दीनदयाल उपाध्याय, जयप्रकाश नारायण, स्वामी करपात्री जी महाराज

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन - डा वी पी वर्मा
2. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन- संपादक रूचि त्यागी
3. आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन - विजय कुमार. वर्मा एवं अखिलेश पाल
4. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन - डा पुरुषोत्तम नागर
5. मार्क्सवाद एवं रामराज्य- स्वामी करपात्री जी महाराज

18.8.2025

16.08.25

18.8.25

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
राजशास्त्र

क्रेडिट-3
पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत का संविधान
(भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन 1885-1947)

इकाई-1

1. भारतीय राष्ट्रवाद का उद्भव एवं विकास।
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (उद्भव एवं कारण)।
3. उदारवादी एवं अनुदारवादी।
4. असहयोग आन्दोलन।

इकाई-2

5. सविनय अवज्ञा आन्दोलन।
6. भारत छोड़ो आन्दोलन 1942।
7. मुस्लिम साम्प्रदायिकता एवं भारत का विभाजन।
8. 1947 का स्वतन्त्रता अधिनियम।

भारत का संविधान

इकाई-3

1. विशेषता।
2. प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीतिनिर्देशक सिद्धान्त, संघात्मक व्यवस्था।

इकाई-4

3. संघ सरकार-राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री, निर्वाचनशक्ति, मन्त्रिपरिषद्-शक्ति एवं स्थिति, राज्यसभा एवं लोकसभा, शक्ति एवं संगठन, सर्वोच्च न्यायालय-शक्ति एवं संगठन।
4. राज्य सरकार-गवर्नर, शक्ति एवं स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मन्त्रिमण्डल-शक्ति, संगठन एवं स्थिति।

सन्दर्भ-ग्रन्थ

1. भारत का संवैधानिक एवं राष्ट्रीय इतिहास -गुरुमुख निहाल सिंह।
2. भारत का संविधान -के.एल. वर्मा।
3. भारतीय राजनीति -जी.के. गहराना।
4. भारतीय सरकार व राजनीति -एम.पी. शर्मा।
5. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन व संवैधानिक विकास -जे.पी. सूद।
6. ए कमेन्टरी ऑन दी कान्स्टीट्यूशन ऑफ इण्डिया -डी.डी. वसु।
7. कान्स्टीट्यूशनल गवर्नमेण्ट इन इण्डिया -एम.वी. पाली।

(63)

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर चतुर्थ पत्र (बहुविषयक)
परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र

क्रेडिट-02

समाजशास्त्र

पूर्णांक-100 (75+25)

न्यूनतम-36

इकाई-1

सामाजिक परिवर्तन : अवधारणा; प्रतिमान, उद्विकास, प्रगति, वैश्वीकरण एवं सामाजिक रूपान्तरण।

इकाई-2

सामाजिक परिवर्तन के कारक, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त : रेखीय एवं चक्रिय सिद्धान्त।

इकाई-3

विकास और सामाजिक विकास की अवधारणा, विकास की सांस्कृतिक और संस्थानिक बाधाएँ।

इकाई-4

विकसित और विकासशील समाज की समस्याएँ, विकास एवं अल्पविकास के सिद्धान्त-केन्द्र परिधि सिद्धान्त, विश्व-व्यवस्था सिद्धान्त।

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. रेखा, परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र, 2020, वैभव लक्ष्मी प्रकाशन, वाराणसी।
2. मवान, जी.आर. परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र 2020, विवेक प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, के.एल. भारतीय सामाजिक संरचना एवं परिवर्तन, 2006, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
4. सिंह, जे.पी. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र।
5. कश्यप, आलोक कुमार एवं कुमार, महेन्द्र : परिवर्तन एवं विकास का समाजशास्त्र।

शैलेषा गुप्त सिन्हा

18-8-28

18-8-25

शास्त्री परीक्षा
तृतीय सेमेस्टर - पंचम पत्र
समाजशास्त्र

क्रेडिट-3

पूर्णांक-100

न्यूनतम अंक-36

समाजशास्त्र के सिद्धान्त

सामाजिक प्रक्रियाओं का अर्थ एवं महत्त्व। प्रमुख सामाजिक प्रक्रियाएँ- विभेदीकरण, सामाजिक सहयोग, संघर्ष एवं प्रतिस्पर्धा।

सामाजिक नियन्त्रण का अर्थ एवं महत्त्व। सामाजिक नियन्त्रण के साधन- प्रथा, शिक्षा, जनमत एवं विधान। सामाजिक नियन्त्रण के माध्यम- परिवार, राज्य, धार्मिक संस्थाएँ एवं कला।

सामाजिक परिवर्तन की अवधारणा। सामाजिक परिवर्तन के कारक- प्रौद्योगिक-आर्थिक एवं सामाजिक कारक।

सामाजिक परिवर्तन, उद्विकास एवं प्रगति की अवधारणाएँ।

सहायक-पुस्तकें

1. समाजशास्त्र परिचय- रामपाल सिंह गौड़।
2. समाजशास्त्र के सिद्धान्त एवं प्रयोग-राजाराम शास्त्री
3. समाजशास्त्र के सिद्धान्त-सक्सेना एवं मुखर्जी।
4. सोशियोलॉजी- एच.एम. बॉटमोर।
5. सिस्टेमेटिक सोशियोलॉजी-कार्ल मानहाइम।
6. सामाजिक परिवर्तन- राम आहूजा।

(65)

(25)

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग,
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

शास्त्री द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र हिन्दी

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Minor Course-

पूर्णांक-25+25=50

क्र.सं.	सहायक ग्रन्थ सूची	निर्धारित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक
1	कथा सरिता- (विद्या कुमारी चन्द्रा) सहज एकांकी- रमेश प्रसाद	कथा सरिता- (विद्या कुमारी चन्द्रा) कथा सरिता- विशदीकरण संक्षेपीकरण एवं कहानी सारांश, चरित्र चित्रण सहज एकांकी- रमेश प्रसाद सारांश एवं व्याख्या	1	25
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	हिन्दी गद्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से स्वातंत्र्योत्तर युग)	1	25

Vidya
10/9/2025

10/09/25

10-09-25

66

26

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग,
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
शास्त्री द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर
पंचम प्रश्नपत्र हिन्दी
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Minor Course-

पूर्णांक-25+25=50

क्र. सं.	सहायक ग्रन्थ सूची	निर्धारित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक
1	आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ- डॉ. नामवर सिंह छायावाद से प्रगतिवाद- डॉ. रमेशचन्द्र शाह, छायावाद- डॉ. नामवर सिंह	आधुनिक काव्य-पीयूष- व्याख्या एवं समीक्षा (प्रो. विसम्भर नाथ)	1	25
2	छायावाद की प्रासंगिकता- डॉ. रमेशचन्द्र शाह, छायावाद- डॉ. नामवर सिंह हिन्दी साहित्य का इतिहास- (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल)	आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ- भावपक्ष-कलापक्ष (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता) हिन्दी काव्य का विकास (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता)	1	25

Vidya
10/9/2025

10/09/25

10/09/25

67

27

तृतीय सेमेस्टर (NEPALI) शास्त्री

नेपाली

चतुर्थ पत्र

पूर्णांक - ५०

क्रेडिट - २

इकाई	कविता खण्ड	क्रेडिट
१	सुलोचना महाकाव्य	१
२	राजेश्वरी खण्डकाव्य	१

सन्दर्भ ग्रन्थ -

सुलोचना (महाकाव्य)

लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा

राजेश्वरी (खण्डकाव्य)

माधवप्रसाद घिमिरे

नेपाली काव्य र कवि

राममणि रिसाल

तृतीय सेमेस्टर (NEPALI) शास्त्री

पंचम पत्र

पूर्णांक - ५०

क्रेडिट - ३

इकाई	नेपाली लोकवाता	क्रेडिट
१	लोकवार्ताको परिचय	१
२	लोक साहित्यको परिचय	१
३	लोक साहित्यका विधा	१

सन्दर्भ ग्रन्थ-

लोकसाहित्य -

चूडामणि बन्धु

लोक साहित्यके प्रतिमान

डा० कुन्दन लाल उप्रेती

यसरी बुझदा

प्रो० दिवाकर प्रधान

शास्त्री- तृतीय सेमेस्टर (अधिसत्र)
भाषाविज्ञान
लघु ऐच्छिक विषय प्रथम (माइनर इलेक्टिव प्रथम)

सम्पूर्णांक 50

हिन्दी व्याकरण

इकाई	पाठ्य-विवरण	क्रेडिट	अंक
इकाई-1	वाक्य की अवधारणा और भाषा की इकाई के रूप में वाक्य, हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ	1	25
इकाई-2	लिंग, वचन, कारक और काल की व्यवस्था संदर्भ से हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप। अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के गहन संरचना रूप रचना	1	25

सहायक ग्रंथ:

- भाषाविज्ञान
 - आधुनिक भाषाविज्ञान
 - भाषाविज्ञान एवं भाषा शास्त्र
- डॉ. भोला नाथ तिवारी
डॉ. भोला नाथ तिवारी
डॉ. कपिल देव द्विवेदी

10/9/25

Vidya
10/9/25

(69)

31/32

प्राचीन राजशास्त्र अर्थशास्त्र विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

सत्र 2025-2026

शास्त्री तृतीय सत्रार्द्धम् (तृतीय सेमेस्टर)
प्रथम प्रश्न पत्रम्

Major -1 (मुख्य विषयः) प्राचीनराजशास्त्राऽर्थशास्त्रम्

क्रेडिट-4

पूर्णांकाः- 75+25 = 100

ईकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1	कामन्दकीय नीतिसारः चाणक्यसूत्राणि- 1-95 सूत्र	अष्टम् सर्गतः समाप्ति पर्यन्तम् जयमंगलाटीकासहितम्	01	25
2	कामन्दकीय नीतिसारः चाणक्यसूत्राणि- 96-190 सूत्र	नवमसर्गः प्रारम्भतः समाप्तिपर्यन्तम् जयमंगलाटीकासहितम्	01	25
3	कामन्दकीय नीतिसारः चाणक्यसूत्राणि- 192-286 सूत्र	दशमसर्गः प्रारम्भतः द्वाविंशतिः (22) श्लोकपर्यन्तम्, जयमंगलाटीकासहितम्	01	25
4	आन्तरिक मूल्यांकन / आन्तरिक कार्यम्		01	25

Major -2 (मुख्य विषयः)

द्वितीय प्रश्न पत्रम्

क्रेडिट-4

पूर्णांकाः- 75+25 = 100

ईकाई संख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारित पाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
1	कौटिलीयार्थशास्त्रम्	(द्वितीयमधिकरणम्) प्रथमाध्यायतः षष्ठाध्याय पर्यन्तम् 1-6 अध्याय	01	25
2	कौटिलीयार्थशास्त्रम्	(द्वितीयमधिकरणम्) सप्तमाध्यायतः द्वादशाध्यायपर्यन्तम् 7-12 अध्याय	01	25
3	कौटिलीयार्थशास्त्रम् चाणक्यनीति शास्त्रसमुच्चयः	(द्वितीयमधिकरणम्) त्रयोदशाध्यायतः अष्टादशाध्याय पर्यन्तम् 13-28 अध्याय	01	25
4	आन्तरिक मूल्यांकन / आन्तरिक कार्यम्		01	25

इतिहास-पुराण एवं संस्कृति

34/38

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (CBCS) आधारित
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

शास्त्री परीक्षा [तृतीय सेमेस्टर]

मुख्य विषय - इतिहास-पुराण एवं संस्कृति

पत्रम् - चतुर्थ प्रश्न पत्र

क्रेडिट -

पूर्णाङ्क - 100

पत्रसङ्केत	क्र. सं.	ग्रन्थ-नाम	निर्धारित-पाठ्यांश	क्रेडिट	अङ्क
MINOR 2	1.	वाल्मीकिरामायण	(क) वैदिक इतिहास का सामान्य परिचय (संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक उपनिषद्)		
	2.	महाभारत	(ख) प्राचीन भारतीय समाज (वर्ण एवं जाति, आश्रम, संस्कार परिवार एवं विवाह)		
	3.	प्राचीन भारत का इतिहास	(ग) रामायण एवं महाभारतकालीन व्यक्तित्व (वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, दुर्वासा, नारद, परशुराम, वेदव्यास, सावित्री, द्रोणाचार्य भारद्वाज, कृपाचार्य इत्यादि)		
			आन्तरिक मूल्यांकन		

इतिहास - पुराण एवं संस्कृति

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (CBSE) आधारित प्रस्तावित पाठ्यक्रम
शास्त्री परीक्षा [तृतीय सेमेस्टर]

मुख्य विषय - इतिहास - पुराण एवं संस्कृति

पत्र - पञ्चम प्रश्न पत्र

क्रेडिट -

पूर्णाङ्क - 100

प्रश्नसंकेत	क्र. सं.	ग्रन्थ - नाम	निर्धारित - पाठ्यांश	क्रेडिट	अङ्क.
MINOR 2	1-	रामायण (वाल्मीकि-रामायण)	(i) प्रश्नार्थ, जनक, वालि, सुग्रीव राम, रावण (ii) कौशल्या, कैकेयी, सुमित्रा, सीता शबरी, मन्दोदरी, सुलोचना अनुसूया, तारा ।		
	2-	महाभारत	श्रीकृष्ण, धृतराष्ट्र, शान्तनु, युधिष्ठिर, द्रुपद, जरासंध, कालयवन, कंस, विराट (ii) सत्यवती, गान्धारी, कुन्ती, रावण, सत्यभामा, जाम्बवती द्रौपदी, सुभद्रा, उत्तरा		
			आन्तरिक मूल्याङ्कन		

72 36

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ।
विज्ञान विभाग
शास्त्री द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
Multidisciplinary Course
चतुर्थ पत्र
गृह विज्ञान
सैद्धांतिक; क्रेडिट – 1

कुल अंक : 100
लिखित : 75
आन्तरिक : 25

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	अंक
गृह विज्ञान (सैद्धांतिक) चतुर्थ पत्र	i	● भोज्य पदार्थों की उपयोगिता के अनुसार वर्गीकरण। ● आहार शास्त्र तथा संतुलित आहार का वर्णन। ● भोजन का पाचन, पोषण और चयापचय। ● भोजन पकाने के उद्देश्य और विभिन्न विधि। ● कार्य में सरलीकरण की विधियाँ। ● परिसज्जा की विशिष्ट प्रक्रियाएँ। ● आधुनिक युग में गृह विज्ञान के कार्य क्षेत्र। ● शिक्षा पद्धतियाँ तथा कार्य क्षेत्र। ● गृह विज्ञान का समाज तथा देश के लिए महत्वा। ● श्रव्य दृश्य सामग्री।	75

संदर्भित ग्रन्थ

1. आहार एवं पोषण विज्ञान - डॉ० जी.पी. शेरी विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
2. आहार एवं पोषण विज्ञान उषा टण्डन, स्वस्तिक प्रकाशन अस्पताल मार्ग, आगरा।
3. आहार एवं पोषण विज्ञान, डॉ. अनीता सिंह, स्टार पब्लिकेशन, आगरा।
4. आहार विज्ञान, सुरक्षा एवं पोषण पुनिता सेठ और पूनम लकड़ा, अभिजात वर्ग।
5. गृह विज्ञान एवं प्रसार शिक्षा (गृह विज्ञान एवं विस्तार शिक्षा)। रेणु आर्या, एस. आर्या

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ।
विज्ञान विभाग
शास्त्री द्वितीय – तृतीय सेमेस्टर
Minor Course – 02
पञ्चम पत्र
गृह विज्ञान
सैद्धांतिक; क्रेडिट-2

(73) (37)

कुल अंक : 100

लिखित: 75

आतंरिक: 25

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	अंक
गृह विज्ञान (सैद्धांतिक) पंचम पत्र	1	1. भोजन योजना- परिभाषा, महत्व, भोजन योजना को प्रभावित करने वाले कारक । 2. शैशवावस्था और बचपन के दौरान पोषण पोषण की आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना। 3. किशोरावस्था, वयस्कता और बुढ़ापे के दौरान पोषण। पोषण आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना विशेष। 1. स्थिति गर्भावस्था और स्तनपान के दौरान पोषण पोषण की आवश्यकता, आरडीए और आहार योजना। 2. माता और शिशु की प्रसवोत्तर देखभाल, आहार स्तनपान और कृत्रिम पोषण, दूध छुड़ाना और पूरक आहार। 3. मध्य बाल्यावस्था के विकासात्मक कार्य एवं विशेषताएँ अवधि ● शारीरिक और मोटर विकास ● सामाजिक एवं भावनात्मक विकास ● ज्ञान संबंधी विकास ● भाषा विकास मानव विकास का परिचय: मानव की अवधारणा, परिभाषा एवं अध्ययन की आवश्यकता विकास विकास के होमोन, चरण और संदर्भ वृद्धि और विकास के सिद्धांत विकास के निर्धारक - आनुवंशिकता और पर्यावरण प्रसवपूर्व विकास और जन्म प्रक्रिया: गर्भाधान, गर्भावस्था और प्रसव जन्म के चरण प्रसव के प्रकार	75

74

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ।
विज्ञान विभाग
शास्त्री द्वितीय – तृतीय सेमेस्टर
Minor Course – 02
पञ्चम पत्र
गृह विज्ञान
प्रायोगिक; क्रेडिट – 1

प्रायोगिक कुल अंक : 100

क्र./ पांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट	अंक
ज्ञान (क)	i	● बाल साहित्य तैयार करें। ● बाल देखभाल केन्द्रों/आंगनबाड़ी का दौरा करना। ● किशोर लड़कियों और लड़कों की जीवन शैली, व्यवहार और समस्याओं को समझने के लिए उनका साक्षात्कार लिया गया। जीवन के विभिन्न चरणों, जैसे स्कूल जाने वाले बच्चों, किशोरों, युवा वयस्कों के बारे में अधिक जानने के लिए केस अध्ययन करें।	01	100

75

38

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ।
 विज्ञान विभाग
 शास्त्री द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
 Multidisciplinary Course
 चतुर्थपत्र
 वनस्पति विज्ञान
 सैद्धांतिक; क्रेडिट – 1

कुल अंक : 100

लिखित : 75

आन्तरिक : 25

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	अंक
वनस्पति विज्ञान (सैद्धांतिक) चतुर्थ पत्र	i	- कोशा विभाजन (Cell division), सूत्री विभाजन (Mitosis), अर्धसूत्री विभाजन (Meiosis) । - आनुवंशिकी का सिद्धान्त- मेंडेलिज्म (Mendalism) । - उत्पत्तिवर्तन के सिद्धान्त (Theories of evolution) । - आवृतबीजी पौधे (Angiosperm) - परिचय, प्रजनन एवं जीवन चक्र (Reproduction and life cycle) - तने एवं जड़ की आन्तरिक संरचना (Internal structure of stem and root) । - बेन्थम एवं हुकर तन्त्र का परिचय एवं वर्गीकरण विधि (Bentham and Hooker system of classification) । - ग्रामीनी (Graminae) , पामी (Palmae), कुसीफेरी (Criciferae), लेग्युमीनोसी (Leguminosae) कुल के प्रमुख लक्षण की पहचान एवं आर्थिक महत्व । - पादप क्रिया विज्ञान (Plany physiology), जैवरसायनिकी (Biochemistry) एवं पारिस्थितिकी (Ecology) । - जल तथा मृदा का पौधों से सम्बन्ध ।	75

(76)

(39)

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ।
 विज्ञान विभाग
 शास्त्री द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
 Multidisciplinary Course
 चतुर्थपत्र
 रसायन विज्ञान
 सैद्धांतिक; क्रेडिट – 1

कुल अंक : 100
 लिखित : 75
 आन्तरिक : 25

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	अंक
रसायन विज्ञान (सैद्धांतिक) चतुर्थ पत्र	i	1. कार्बनिक यौगिकों का वर्गीकरण एवं नाम पद्धतियाँ, 2. समावयता (Isomerism), कार्बनिक अभिक्रियाओं की क्रिया विधि, प्रतिस्थापन एवं योगात्मक अभिक्रिया । 3. मुक्त मूलक (Free radical), कार्बनिक आयन एवं उनके लक्षण, आक्रमणकारी अभिकर्मक । 4. एल्केन (Alkane), ऐल्कीन (Alkene) एवं ऐल्काइन (Alkyne) का सामान्य अध्ययन । 5. हाइड्रोकार्बन के स्रोत- पेट्रोलियम ।	75

(77)

(40)

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ।
 विज्ञान विभाग
 शास्त्री द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर
 Multidisciplinary Course
 चतुर्थपत्र
 भौतिक विज्ञान
 सैद्धांतिक; क्रेडिट – 1

कुल अंक : 100
 लिखित : 75
 आन्तरिक : 25

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	अंक
भौतिक विज्ञान (सैद्धांतिक) चतुर्थपत्र	i	तरंग गति (Wave motion) 1. अनुप्रस्थ एवं अनुदैर्घ्य तरंग (Transverse and longitudinal waves) । 2. प्रगामी एवं अप्रगामी तरंगें (Travelling and Stationary Waves), इन तरंगों का समीकरण । 3. हाइगेन्स का सिद्धान्त (Huygen's principle), तरंग चाल (wave speed), अनुदैर्घ्य तरंगों की चाल के न्यूटन सूत्र (Newton's formula for the speed of longitudinal waves) एवं लाप्लास संशोधन (Laplace correction) । 4. प्रणाली तरंगें, तरंगों का व्यतिकरण, तरंगों का अध्यारोहण, विस्पन्द । 5. अनुनाद, स्वरमापी । 6. डाप्लर प्रभाव, पराश्रव्य एवं अवश्रव्य तरंगें ।	75

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ।
विज्ञान विभाग
शास्त्री द्वितीय वर्ष - तृतीय सेमेस्टर
Minor Course – 02
पञ्चम पत्र
भौतिक विज्ञान
प्रायोगिक; क्रेडिट – 01

78 41

प्रायोगिक कुल अंक : 100

पत्रनाम/ पत्र क्रमांक	निर्धारित प्रयोग	क्रेडिट	अंक
भौतिक विज्ञान (प्रायोगिक) पंचम पत्र	1. एकल कुंडली के अक्ष के अनुदिश चुंबकीय क्षेत्र का परिवर्तन (Variation of magnetic field along the axis of single coil) । 2. Helmholtz coil के अक्ष के अनुदिश चुंबकीय क्षेत्र का परिवर्तन (Variation of magnetic field along the axis of Helmholtz coil) । 3. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: बैलिस्टिक स्थिरांक (Ballistic constant), धारा संवेदनशीलता (current sensitivity) और वोल्टेज संवेदनशीलता (voltage sensitivity) । 4. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: रिसाव विधि द्वारा उच्च प्रतिरोध (High resistance by Leakage method) । 5. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: केल्विन की डबल ब्रिज विधि द्वारा कम प्रतिरोध (Low resistance by Kelvin's double bridge method) । 6. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: रेले की विधि द्वारा कुंडल का स्व-प्रेरकत्व (Self inductance of a coil by Rayleigh's method) । 7. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर: धारिता की तुलना (Comparison of capacitances) । 8. कैरी फोस्टर ब्रिज (Carey Foster Bridge): प्रतिरोध प्रति इकाई लंबाई (Resistance per unit length) और कम प्रतिरोध (low resistance) । 9. विक्षेपण और कंपन मैग्नेटोमीटर (Deflection and Vibration Magnetometer): चुंबक का चुंबकीय आघूर्ण (Magnetic moment of a magnet) एवं पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का क्षैतिज घटक (horizontal component of earth's magnetic field) ।	01	100

परिपथ/ धारा नियम (Maxwell-Ampere's circuital law), स्व प्रेरकत्व और अन्योन्य प्रेरकत्व (Self and mutual induction), मैक्सवेल समीकरणों का भौतिक महत्व (physical significance of Maxwell's equations), चल कुंडली प्राक्षेपिक धारामापी का सिद्धांत (Theory and working of moving coil ballistic galvanometer)।

विद्युत चुम्बकीय तरंगें (Electromagnetic Waves):

विद्युत चुम्बकीय ऊर्जा घनत्व और प्वाइन्टिंग सदिश (Electromagnetic energy density and Poynting vector), रेखिक अनंत परावैद्युतिकी में समतल विद्युतचुम्बकीय तरंग (Plane electromagnetic waves in linear infinite dielectrics), समांगी और असमांगी समतल तरंगें (homogeneous & inhomogeneous plane waves), परिक्षेप और अपरिक्षेपी माध्यम (dispersive & non-dispersive media), समांगी समतल विद्युत चुम्बकीय तरंगों का परावर्तन और अपवर्तन (Reflection and refraction of homogeneous plane electromagnetic waves), परावर्तन के नियम (law of reflection), स्नेल का अपवर्तन का नियम (Snell's law), फ्रेसनल सूत्र (Fresnel's formulae) और स्टोक का नियम (Stoke's law)।

ii

भौतिक प्रकाशिकी और लेजर (Physical Optics & Lasers)

व्यतिकरण (Interference):

व्यतिकरण के लिए शर्तें (Conditions for interference), अस्थायी कला सम्बद्धता & स्थानिक कलासम्बद्धता (spatial & temporal coherence), तरंगाग्र का विभाजन (Division of Wavefront), फ्रेसनल द्विप्रिज्म (Fresnel's Biprism), लॉयड का दर्पण (Lloyd's Mirror), आयाम का विभाजन (Division of Amplitude), समानांतर पतली फिल्म (Parallel thin film), वेज आकार की फिल्म (wedge shaped film), न्यूटन का वलय प्रयोग (Newton's Ring experiment), व्यतिकरणमापी (Interferometer), माइकलसन और फैब्री-पेरोट व्यतिकरणमापी (Michelson and Fabry-Perot Interferometer)।

विवर्तन (Diffraction):

व्यतिकरण और विवर्तन के बीच अंतर (Distinction between interference and diffraction), फ्रेसनल और फौनहोफर वर्ग का विवर्तन (Fresnel's and Fraunhofer's class of diffraction), फ्रेनल का आधा अवधि क्षेत्र और जोन प्लेट (Fresnel's Half Period Zones and Zone plate), एकल रेखाछिद्र पर फौनहोफर विवर्तन (Fraunhofer diffraction at a single slit), n रेखाछिद्र और विवर्तन ग्रेटिंग (n slits and Diffracting Grating), प्रकाशिक उपकरणों की विभेदन क्षमता

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय ।
विज्ञान विभाग
शास्त्री द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर
Minor Course – 02
पञ्चम पत्र
रसायन विज्ञान
प्रायोगिक; क्रेडिट – 01

(80) (49)

प्रायोगिक कुल अंक : 100

प्रश्ननाम/ पत्र क्रमांक	निर्धारित प्रयोग	क्रेडिट	अंक
रसायन विज्ञान प्रायोगिक) पञ्चम पत्र	1. उपकरणों का अंशांकन (Calibration of instruments) । 2. मानक विलयन तैयार करना (Preparation of standards solutions) । 3. मोल अवधारणा (Mole Concept) और सांद्रता इकाइयाँ (Concentration Units) । 4. शुद्ध द्रव या विलयन के पृष्ठ तनाव का निर्धारण (Determination of surface tension of pure liquid or solution) । 5. शुद्ध द्रव या विलयन के श्यानता का निर्धारण (Determination of viscosity of pure liquid or solution) । 6. दिये गए किन्हीं दो कार्बनिक द्रव यौगिकों के क्वथनांक का निर्धारण (Determination of boiling point of any two given organic liquid compounds): साइक्लोहेक्सानोन (cyclohexanone), आइसोब्यूटिल अल्कोहल (isobutyl alcohol), बेन्ज़ाल्डीहाइड (benzaldehyde), एसीटोनाइट्राइल (acetonitrile) । 7. दिये गये पदार्थ के संक्रमण तापमान का थर्मोमेट्रिक या विस्फामितीय विधि द्वारा निर्धारण (Determination of the transition temperature of the given substance by thermometric /dilatometric method): $MnCl_2 \cdot 4H_2O$ अथवा $SrBr_2 \cdot 2H_2O$ । 8. दो आंशिक रूप से मिश्रित तरल पदार्थों (फिनोल-जल तंत्र) के क्रांतिक विलयन ताप पर दिये गये विलेय (सोडियम क्लोराइड अथवा सक्सिनिक एसिड) के प्रभाव का अध्ययन करें (To study the effect of a solute (NaCl or succinic acid) on the critical solution temperature of two partially miscible liquids (e.g. phenol-water system) । 9. शीतलन वक्र विधि द्वारा दो घटक तंत्र (डाइफेनिलामेन अथवा बेन्जोफिनोन) के प्रावस्था आरेख का निर्माण करें (To construct the phase diagram of two component (e.g. diphenylamine and benzophenone) system by cooling curve method) ।	01	100

प्रावस्था साम्य (Phase Equilibrium): कथन और शब्दों का अर्थ (Statement and meaning of the terms-phase), घटक एवं स्वतंत्रता की कोटि (component and degree of freedom), गिब्स प्रावस्था नियम (Gibbs phase rule), एक घटक तंत्र का प्रावस्था साम्य (phase equilibria of one component system), जल तंत्र (water systems), कार्बन डाईआक्साइड तंत्र (CO_2 systems), सल्फर तंत्र (sulphur systems), दो घटक तंत्र का प्रावस्था साम्य (Phase equilibria of two component systems), बिस्मथ-कैडमियम (Bi-Cd) तंत्र, लेड-सिल्वर (Pb-Ag) तंत्र।

गैसों का अणुगति सिद्धान्त (Kinetic theories of gases):

गैसीय अवस्था (Gaseous State): गैसों के अणुगति सिद्धान्त के अभिधारणाएं (Postulates of kinetic theory of gases), आदर्श व्यवहार से विचलन (deviation from ideal behavior), वाण्डर वाल्स अवस्था का समीकरण (Vander Waals equation of state)।

क्रांतिक घटना (Critical phenomena): वास्तविक गैसों के PV समताप वक्र (PV isotherms of real gases), अवस्था सातत्य (continuity of states), क्रांतिक स्थिरांक और वाण्डर वाल स्थिरांक के बीच संबंध (relationship between critical constants and Vander Waals constants), संगत अवस्थाओं का नियम (the law of corresponding states), समानीत अवस्था समीकरण (reduced equation of state)।

आणविक वेग (Molecular Velocities): मैक्सवेल का आणविक वेगों का वितरण (Maxwell's distribution of molecular velocities), मध्य मुक्त पथ (mean free path)।

ii द्रव अवस्था (Liquid State): अंतरआणविक बल (Intermolecular forces), द्रव पदार्थ की संरचना का गुणात्मक विवरण (qualitative description of structure of liquids), ठोस, द्रव और गैस के बीच संरचनात्मक अंतर (Structural differences between solids, liquids and gases)।

द्रव क्रिस्टल (Liquid crystals): द्रव क्रिस्टल, ठोस और द्रव के बीच अंतर (Difference between liquid crystal, solid and liquid), वर्गीकरण (Classification), नेमैटिक, स्मेक्टिक और कोलेस्टेरिक क्रिस्टल की संरचना (structure of nematic and cholesterol phases)।

ठोस में तरल पदार्थ (Liquids in solids): जेल, जेल का वर्गीकरण, बनाना, गुण एवं जेल का उपयोग (preparation, properties and general application)।

उपसहसंयोजन रसायन (Coordination Chemistry):

वर्नर का उपसंयोजन संकुल सिद्धान्त (Werner's theory of coordination complexes), लिगेण्ड का वर्गीकरण (classification of ligands), उभयदंती लिगेण्ड (ambidentate ligands), किलेट्स (chelates), उपसहसंयोजक संकुलों की IUPAC नामपद्धति (IUPAC nomenclature of coordination complexes), उपसहसंयोजक यौगिकों में समवयवता (Isomerism in

- | | |
|--|--|
| <ol style="list-style-type: none">14. पादप वर्गीकी (Taxonomy) से सम्बन्धित साफ्टवेयर के उपयोग का अध्ययन।15. वंशावली विश्लेषण (Phylogenetic analysis) पर आधारित प्रायोगिक कार्य।16. एन्ड्रायड (Android) फोन पर पौधों की पहचान करने वाले एप्स (plant identification apps on android phones) का उपयोग।17. किसी भी पौधे का बोनसाई (Bonsai) बनाने की विधि का अध्ययन।18. एक लघु उद्यान (Miniature garden) का विकास विधि।19. पादप प्रसार विधियों (Plant Propagation methods) का अभ्यास।20. विभिन्न प्रकार के उद्यानों की बनावट (Layouts of various types of gardens) का अध्ययन। | |
|--|--|

(PHYLIP)

इ-फ्लोरा (e-Flora), डेल्टा (DELTA/ Description Language for Taxonomy)

वनस्पति विज्ञान में कम्प्यूटर तथा एन्ड्रायड अप्लीकेशन का उपयोग (Usage of computer and android applications in botany):

कम्प्यूटर प्रणाली (Computer system); परिचय, कम्प्यूटर की पीढ़ी (Computer generation) एवं कम्प्यूटर की विशेषतायें।

स्टोरेज डिवाइस (Storage device); परिचय, प्रारम्भिक मेमोरी (Primary memory), सेकेंडरी मेमोरी (Secondary memory)।

साफ्टवेयर भाषायें (Software language), माइक्रोसाफ्ट आफिस (MS Office), माइक्रोसाफ्ट एक्सेल (Microsoft Excel), माइक्रोसाफ्ट वर्ड (Microsoft word), माइक्रोसाफ्ट पावर प्वाइंट (Microsoft power point)।

पौधों की पहचान करने वाले एनड्रायड एप्लीकेशन (Plant Identification Android application), वनस्पति विज्ञान की इंटरनेट निर्देशिका (Internet directory for botany)।

पौधों के सौन्दर्य सम्बन्धित विशेषतायें (Aesthetic Characteristics of Plants):

परिचय, पौधों का रूप, पौधों की बनावट, पौधों का आकार एवं रंग।

उद्यान (Garden): परिचय, औपचारिक एवं अनौपचारिक उद्यान (Formal & Informal garden), उद्यान की बनावट (Features of a garden)।

संरक्षण शाला (Conservatory), हरित गृह, (Green Houses), इन्डोर उद्यान (Indoor garden), जल उद्यान (Water garden), छत उद्यान (Roof garden), बोनसाई (Bonsai)।

भारत के कुछ प्रसिद्ध उद्यान (Some Famous gardens of India)।

भिन्न पाठ्य पुस्तकें-

1. डॉ. अमर सिंह, पादपवर्गिकी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
2. डॉ. सुषमा शर्मा, डॉ. सुरेश सिंह, डॉ. संजय कुमार टिपारी, डॉ. हरिशंकर गोविंद राव, एवं डॉ. महेश कुमार, पुष्पी पादपों की पहचान एवं सौंदर्य संबंधी विशेषताएँ (Flowering Plants Identification & Aesthetic Characteristics), ठाकुर पब्लिकेशन, लखनऊ।
3. अरुण के, पांडे और श्रुति कंसाना, प्लांट सिस्टमैटिक्स, जया पब्लिशिंग हाउस।
4. ए.सी. दत्ता, बाटनी फार डिग्री स्टूडेंट, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
5. जी. सिंह, प्लांट सिस्टमैटिक्स: थ्योरी एंड प्रैक्टिस, ऑक्सफोर्ड और आईबीएच, नई दिल्ली।

शास्त्रिपरीक्षायाम्
तृतीयसेमेस्टर (तृतीयाधिसत्रे)
षष्ठपत्रम्
विषयः - व्यावहारिकं संस्कृतम्

पूर्णाङ्काः - 100

उत्तीर्णाङ्काः - 27

क्रेडिट - 02

प्रथमोऽंशः	ग्रन्थनामानि	पाद्यांशाः	क्रेडिट	अङ्काः
1.	भारतीयसंस्कृतिः	संस्काराः आश्रमाः	01	25
2.	पञ्चतन्त्रम्	मित्रलाभः		25
द्वितीयोऽंशः				
3.	संस्कृतसाहित्येतिहासः	संस्कृतकवीनां परिचयः	02 01	25
4.	रचनानुवादकौमुदी	संस्कृते हिन्दाश्च निबन्धः		25

13/11/25

निर्धारित पुस्तकें (Prescribed Books)

- Cosmopolite A1 (Dossier 02)
अधवा
- Modern French Course (Dondo) (Lesson 06 -10)

सुझावित पुस्तकें/संदर्भ

- Echo A1/A2 – Clé International
- Le Nouveau Sans Frontières 1
- Alter Ego + A1/A2
- Bescherelle: La Conjugaison pour Tous
- अध्यापक के नोट्स और ऑडिओ-वीडिओ संसाधन
- फ्रॉसीसी-हिन्दी शब्दकोश – डॉ. विनीता सिंह

सेमेस्टर III – फ्रेञ्च षष्ठपत्र-100

- दैनिक दिनचर्या।
- समय और सप्ताह के दिन।
- प्रत्यावर्ती क्रियाएँ (se lever, s'habiller) इत्यादि।
- "il y a", "c'est", "ce sont"।
- passé composé (avoir के साथ)।

निर्धारित पुस्तकें (Prescribed Books)

- Cosmopolite A1 (Dossier 03)
अधवा
- Modern French Course (Dondo) (Lesson 11-15)

सुझावित पुस्तकें/संदर्भ

- Echo A1/A2 – Clé International
- Le Nouveau Sans Frontières 1
- Alter Ego + A1/A2
- Bescherelle: La Conjugaison pour Tous
- अध्यापक के नोट्स और ऑडियो-वीडियो संसाधन
- फ्रॉसीसी-हिन्दी शब्दकोश – डॉ. विनीता सिंह

सेमेस्टर IV –

- अवकाश और मनोरंजन।
- नियंत्रण देना/स्वीकार करना/अस्वीकार करना।
- भविष्य की योजना (futur proche) इत्यादि।
- प्रश्नवाचक वाक्य।
- आदेशवाचक (impératif)।

86 43

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

आधुनिक भाषा एवं भाषाविज्ञान विभाग

शास्त्री : तृतीय सेमेस्टर

विषय : जर्मन भाषा

पत्र : षष्ठ

पाठ्यक्रम

पूर्णांक: 50

क्रेडिट : 2

इकाई

क्रेडिट

अंक

- 1 - (i) जर्मन अवतरण का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद .
(ii) हिन्दी अथवा अंग्रेजी अवतरण का जर्मन में अनुवाद .
(iii) पत्र लेखन (Letter Writing) एवं आशय लेखन (Paraphrase Writing)
- 2- निर्धारित पाठ्यपुस्तक पर आधारित व्याकरण सम्बन्धी प्रश्न .
- निर्धारित पाठ्यपुस्तक के अध्याय 16- 18 तक का अध्ययन .

1

25

संदर्भ ग्रन्थ :

1. Deutschsprachlehre für Ausländer – Heinz Griesbach : Dora Schulz, Max Hüber Verlag, München, Germany.
2. Collins German Grammar – (English edition). Harper Collins Publication, U.K., London.
3. German- English Dictionary, (Concise edition), Harper Collins Publication, U.K., London. Oxford University Press, Oxford.

Vidya
10/9/2025

Nisha
10-09-2025
10-9-25

मुकुन्द लाल
10/9/25

शास्त्री - रूसी भाषा तृतीय सेमेस्टर

पत्र : षष्ठ पत्र

पूर्णांक: 50

क्रेडिट - 2

ईकाई 1 -

क्रेडिट - 1

- क्रिया संयुग्मन - И (и Conjunction)
- समय सूचक क्रिया विशेषण
- अनियमित बहुवचन संज्ञा
- आदेश / आज्ञासूचक क्रिया विन्यास (The Imperative Mood) व वाक्य निर्माण।
- डिमान्स्ट्रेटिव प्रोनाउन Этот, Тот एण्ड प्रोनाउन весь
- кто, что, чей, где, когда, как द्वारा उपवाक्य जोड़ना।
- नामिनेटिव व प्रीपोजीशनल केस।

ईकाई - 2

क्रेडिट - 1

कौशल विकास:

- कक्षा में प्रश्नोत्तरी।
- शब्द अन्ताक्षरी
- वाद संवाद
- परिवारिक विवरण व संवाद

निर्धारित पाठ्य पुस्तके -

"रसियन" - बी. एन. वैगनर, बाई. जी. ओब्सिएन्को। पाठ 8 से 13 तक।

"रसियन एज बी स्पोक इट" - एस. सावरोनीना पाठ 10 से 15 तक।

"कल्चर एंड कस्टम आफ रसिया" - सिडनी स्कूलजी

सन्दर्भ ग्रंथ -

शब्दकोश -

रूसी-अंग्रेजी - स्मिरनित्की

अंग्रेजी - रूसी - बी. के. मुल्लर

Hee Sal
10/01/25
10/09/2025
Nidya

88

45

Sampurnanand Sanskrit Vishwavidyalay Varanasi

Syllabus

Subject- English

Minor

Shastri-3rd Semester

Units	Grammar and Poem	Credit	Marks
I	A. Unseen Passage B. Translation: I- From English to Hindi II- From Hindi to English.	01	50
II	<i>Night of the Scorpion</i> by Nissim Ezakiel	01	25
III	Internal Assessment	01	25

Vidya
10/9/2025

A
10/09/2025

10/09/2025

NSK
10/9/2025

तृतीय सेमेस्टर (तिब्बती) शास्त्री
AEC (Ability Enhancement Course)

षष्ठ पत्र

पूर्णांक - ५०

क्रेडिट - २

इकाई	बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका तिब्बती लोक संस्कृति (Tibetan Folk Culture)	क्रेडिट
१	बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका (Festival of Tibet) बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका तिब्बती लोक सङ्गीत और लोक नृत्य (Tibetan Folk Song & Dance)	१
२	बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका (Tibetan folk tales and Tibetan Proverbs)	१

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. Like a Yeti Catching Marmots: A Little Treasury of Tibetan Proverbs - Pema Tsewang Shastri.
2. बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका - श्री-सञ्जय-संस्कृत-विद्या-पत्रिका
3. बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका - श्री-सञ्जय-संस्कृत-विद्या-पत्रिका

Suggested Readings:

1. के-रि-संस्कृत-विद्या-पत्रिका बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका १९९९
2. Shastri, Pema Tsewang. Like a Yeti Catching Marmots: A Little Treasury of Tibetan Proverbs. MA: Wisdom Publications, 2012.
3. श्री-सञ्जय-संस्कृत-विद्या-पत्रिका बौद्ध-यक्ष-संस्कृत-विद्या-पत्रिका (तिब्बत का त्योहार) दुस-के-रि-संस्कृत-विद्या-पत्रिका व-सु-संस्कृत-विद्या-पत्रिका व-सु-संस्कृत-विद्या-पत्रिका १
फेस्टिवल ऑफ तिब्बत, धर्मशाला: डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन (CTA)

Byale

10/9/25

Comdant

10/9/25

Vidyas

10/9/25

98

47

आधुनिक भाषा एवं भाषा विज्ञान विभाग,
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
शास्त्री द्वितीय वर्ष- तृतीय सेमेस्टर

षष्ठ प्रश्नपत्र
व्यवहारिक हिन्दी
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

पूर्णांक-25+25=50

Ability Enhancement -

क्र.सं.	सहायक ग्रन्थ सूची	निर्धारित पाठ्यक्रम	क्रेडिट	अंक
1	निबंध मंजरी (प्रो. विसम्भर नाथ)	निबंध मंजरी (प्रो. विसम्भर नाथ) निर्धारित निबंधों का विशदीकरण, संक्षेपीकरण एवं निबंधकारों के निबन्धों की समीक्षा	1	25
2	हिन्दी साहित्य का इतिहास (डॉ० नगेन्द्र)	हिन्दी गद्य का इतिहास	1	25

Vidya
10/9/2025

10/09/25

10/09/2025



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय।

वर्षाख्यमौगलन्तागतः विभागः

विषय-

योग

कृषीवाधिसत्रम्

शास्त्रप्रथमवर्षम्

Skill Enhancement Course (SEC)

(कौशल विकास पाठ्यक्रम)-

सप्तम पत्र अर्जितांश 03(क्रेडिट)

50 अंकों का पूर्णांक होगा, जिसकी 03 घण्टे की मात्र लिखित परीक्षा होगी।

पत्रनाम/पत्र क्रमांक	इकाईसंख्या	ग्रन्थनामानि	निर्धारितपाठ्यांशः	क्रेडिट	अंकाः
Skill Enhancement Course (SEC)	i	सिद्धसिद्धान्त-पद्धतिः	नाड़ी के प्रकार एवं नाड़ी-ओषध, कुलशक्ति, परम पद योगमार्ग, गुरु एवं सहायकद्वारा, अक्षरों परमाणु ज्योतिः।	02	25
	ii	हठयोगप्रदीपिका	हठयोग से राजयोगसिद्धि, मठ में कार्यक्रम, आसनों के प्रकार एवं प्रभाव, योगांगानुष्ठानकी प्रवर्ध, मलमूत्रादि, प्रणायाम के प्रभाव एवं प्रकार	01	25

9/12/2022
प्रो. फकर-राघवेन
आचार्य (प्रो०) ए
सांख्ययोगतन्त्र
सं.सं.वि.वि.,

७२ (५)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
(SAMPURNANAND SANSKRIT VISHWAVIDYALAYA, VARANASI)

Class – Shastri Third Semester (शास्त्री तृतीय, ~~पञ्चम~~ अर्ध-सत्र [सेमेस्टर])
Subject - Computer Application (संगणक अनुप्रयोग)

Total Marks - 100 (कुल अंक-100)

No. of Credits - 02 (क्रेडिट संख्या-02)

Internal / Practical - ~~25 Marks (आन्तरिक/प्रायोगिक-25 अंक)~~

Theory Exam - ~~75 Marks (सैद्धान्तिक परीक्षा -75 अंक)~~

Time Allotted for Theory Exam – 3hrs. (सैद्धान्तिक परीक्षा हेतु समय-3 घण्टा)

Course Title – DBMS Using MS-Access

अध्ययन-पत्र का शीर्षक – एम0एस0 एक्सेस द्वारा डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम

Unit-1

Concept of data, Database, Database Management System, Fundamentals of RDBMS, Primary Key, Foreign Key, Relationships- One to One, One to many, Many to Many.

Introduction to MS-Access – Access database and its objects, Creating a blank Database, Creating database using Templates, Creating database using wizard.

आकड़ा (डाटा) की अवधारणा, आकड़ों (डाटा) का व्यवस्थित संग्रह, डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली, सन्बंधात्मक डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली के मौलिक तत्व (रिलेशनल डाटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम), प्राथमिक कुंजी, विदेशी कुंजी, सम्बन्ध- एक-से-एक, एक-से-कई, कई-से-कई।
एम0एस0एक्सेस का परिचय- एम0एस0एक्सेस का डाटाबेस एवं इसका उद्देश्य, सादा डाटाबेस का निर्माण, सौँचा / खाका (टेम्पलेट्स) का प्रयोग कर डाटाबेस का निर्माण, चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका (विजार्ड) के उपयोग द्वारा डाटाबेस का निर्माण।

Unit -2

Navigating in Access, Tables in Access – Creating tables using design view, Data Types in MS-Access, Adding, editing, deleting records in a table.

Validation of entered data- Field Validation, Ascending, Descending, Multilevel Sorting, Filtering of records.

एम0एस0 एक्सेस के सभी डाटाबेस आब्जेक्ट्स को देखने तथा उन तक पहुँचने की पद्धति, एक्सेस में तालिका (टेबल) -बनावट प्रदर्शन (डिजाइन व्यू) द्वारा तालिका का निर्माण, एम0 एस0 एक्सेस में डाटा के प्रकार, तालिका में अभिलेख (रिकार्ड) को जोड़ना, संशोधन तथा मिटाना।

प्रविष्ट आकड़ों की समग्र जांच, डाटा का आरोही, अवरोही तथा बहुस्तरीय छटाई / संयोजन, अभिलेखों का छनन (रिकार्ड्स का फिल्टरिंग)।

Unit-3

Formatting Columns, Rows and Cells, Selecting Columns, Resizing Columns, Hiding/Unhiding Columns, Freezing Columns, Resizing Rows, Cells. Queries, Creating Queries, Sort order of Queries, Show Fields, defining Criteria, Use of Logical Operators, Printing a query.

स्तम्भों (कॉलम) का प्रारूपण (फॉर्मेटिंग), पंक्तियाँ (रो) एवं कोशिका (सेल), स्तम्भों (कॉलम) को चुनना, आकार बदलना, छिपाना तथा प्रकट करना, स्तम्भों को फ्रीज करना, पंक्तियाँ तथा कोशिकाओं (सेल) का आकार बदलना।

जिज्ञासा (क्वेरी), क्वेरी का निर्माण, क्वेरीज का काम निर्धारण, क्षेत्र (फील्ड) का प्रदर्शन, मानदण्ड परिभाषित करना, तार्किक संचालिकाएँ (लॉजिकल ऑपरेटर्स) का प्रयोग (निर्वाह / दिखाने / संयोजन), क्वेरी का मुद्रण।

Unit-4

Forms, Creation, Entering data in Forms, Form Sections, Controls, Toolbox, Searching and Sorting in Forms.

Reports, Creation, Sorting and Grouping, Page Setup, Printing of Reports.

प्रपत्र, प्रपत्र (फॉर्म) का निर्माण फॉर्म में आकड़ों को प्रविष्ट करना, फॉर्म के अनुभाग, नियंत्रण, उपकरण पेटिका (टूलबॉक्स), फॉर्म में डेटा तत्व को खोजना तथा छोटना।

रिपोर्ट, रिपोर्ट का निर्माण, छटाई तथा समूहन कार्य, पृष्ठ स्थापना (पेज सेटअप), रिपोर्ट (दिवरण) का मुद्रण।

Recommended Book : (अनुशंसित ग्रन्थ)

1. Relational Databases and Microsoft Access 365. By . Ron McFadyeu . Pressbooks.
2. Microsoft Access Guide to Success . By – Kevin Pitch.
3. M.S Access (Hindi) – Prakhar Publishers.
4. RDBMS In – Depth: BPB Publication By- Dr.Madhavi Vaidya

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (CBCS) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री तृतीय-सत्रार्थ (तृतीय सेमेस्टर)
विषय-संगीत (तबला)
पत्र-सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)
क्रेडिट-2

ईकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1.	प्रायोगिक पक्ष - - आड़ाचारताल (पेशकार, कायदा, रैला, तीन ताल, फरमाईशी एवं अन्य वादन प्रकार) - तीन ताल - कहरवा - दादरा - चारताल - झपताल का ठेका	1
2.	शास्त्र पक्ष - - लयकारी (डेड़गुन, सवागुन) - विष्णु दिगम्बर ताल लिपि - मृदंगम् वाद्य का इतिहास - लखनऊ घराने के संस्थापकों एवं शिष्य परम्परा में आने वाले विद्वानों का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान	1
	सहायक ग्रन्थ - - तबला पुराण - पं० विजय शंकर मिश्र - ताल परिचय भाग-3 - गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव - तबला साहित्य - डॉ० प्रवीण लल्लव - ताल परिचय भाग-3 गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव - ताल कोश - गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव - भारतीय संगीत का इतिहास-उमेश जोशी	

विभागाध्यक्ष
साहित्य संगीत विभाग

१५/०५/२०२२

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
राष्ट्रीयशिक्षानीति २०२० (CBCS) आधारित
कौशल विकाश पाठ्यक्रम
(Skill Enhancement Course)

शास्त्री तृतीय-सत्रार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

विषय - संगीत-सितार

पत्र - सप्तम प्रश्न पत्र (SEC)

क्रेडिट - 2

इकाई संख्या	निर्धारित पाठ्यांश	क्रेडिट
1	प्रायोगिक पक्ष - • सितार मिलाने का ज्ञान तार के साथ • सितार के बोलों को बीगुन में बजाने का अभ्यास • ताल का ज्ञान - हाथ की सहायता से ताल देकर बोलों का अभ्यास • अलाप का सम्पूर्ण ज्ञान एवं सरल अलापों द्वारा राग पहचानने का ज्ञान • रागों का अध्ययन - राग यमन, राग बिलावल, राग खमाज, राग काफी का ज्ञान तथा रजाखानी गत तानों के साथ अभ्यास	1
2	सैद्धान्तिक पक्ष - • पकड़ के द्वारा राग की पहचान - अलाप, माका, टेका, तानी, खानी, विभाग, सम, आवर्तन, पूर्वगवादी, उत्तरगवादी • सितारों के मुख्य अंगों के नाम, जैसे - मतका, दुम्बा, पगडा, चक्र, अचक्र, गुन्दु, डाँट, जवारी, घुड़च • स्वलिपि का ज्ञान • अपने पाठ्यक्रम के रागों का परिचय - ताल- तीन ताल, कहगवा, अपताल, रूपक ताल का सम्पूर्ण परिचय तथा राह, दुगुन, बीगुन, बीगुन को लिखने का अभ्यास • जीवन परिचय - बी. एन. भानुषण्डे, बिलावल खा, निखिल वैजजी,	1
सहायक ग्रन्थ - 1. राग विज्ञान, भाग 1-2, लेखक - बी. एन. पटवर्धन 2. राग परिचय, भाग -1-2, लेखक - हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव 3. संगीत विशागद, लेखक - यमन		

Shail Pandey

95

52

साहित्य संगीत विभाग
सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी
संस्कृतशिक्षावर्ष 2020 (C.B.C.S.) आधारित
कौशल विकास पाठ्यक्रम
(SKILL ENHANCEMENT COURSE)

शास्त्री तृतीय संस्कार (तृतीय सेमेस्टर)

विषय-संगीत भाष्य

प्रश्न-समूह प्रश्न (SEC)

क्रेडिट-2

इकाई संख्या	विधायित पाठ्यक्रम	क्रेडिट
1	प्रयोगात्मक पक्ष :- - राग कडकी तथा राग खमान में कोरा खयाल - पारिभाषिक शब्दावलिर्वा. ध्रुपद, पंजाब, गंगा, दुमरी, कोरा खयाल, बड़ा खयाल, राग मलिका - शपताल तथा चोपताल को ताली-खाली सहित ठाह तथा दुगुन लय में दिखावना - स्वा समूहों द्वारा रागों को पहचानना - भजन गीत गजल - विश्वविद्यालय का कुलगीत व भजनगीत का अभ्यास	1
2	सैद्धान्तिक पक्ष :- - पाठ्यक्रम के रागों को स्वरलिपि सहित लिखना - पाठ्यक्रम के तालों को ठाह दुगुन की लय में ताली-खाली मात्रा-विभाग सहित लिखना - पारिभाषिक शब्दावलिर्वा. आश्रय राग, संधि प्रकाश राग, कण, मीढ़, खटका, - मुर्की, पह, अंश, न्यासा - पाठ्यक्रम के रागों का सम्पूर्ण परिचय - विष्णु दिगम्बर पलुष्कर की जीवनी	1
सहायक ग्रन्थ :- - राग परिचय भाग एक, भाग दो - संगीत परिभाषावली		

सहायक प्राध्यापक

साहित्य विभाग

संस्कृत विभाग, वाराणसी

शास्त्रिपरीक्षायाम्
तृतीयसेमेस्टर (तृतीयाधिसत्रे)
विषय- कर्मकाण्डः
सप्तमपत्रम्

पूर्णांक :- 100

उत्तीर्णङ्क :- 27

क्रेडिट - 02

प्रथमांशः

- (क) सर्वतोभद्रमण्डलानिर्माणविधिः।
- (ख) लिंगतोभद्रमण्डलानिर्माणविधिः।
- (ग) सर्वतोभद्रमण्डललिंगतोभद्रमण्डलप्रधानदेवतामूर्त्युगन्युत्तारणं प्राणप्रतिष्ठाविधिःविधिश्च।
- (घ) सर्वतोभद्रमण्डललिंगतोभद्रमण्डलमावाहन, स्थापनम्पूजनविधिश्च।

द्वितीयांशः

- (क) ग्रहमन्त्रजपविधिः ध्यानमहामृत्युंजयमंत्रन्यासः, विनियोगःजपविधिश्च।
- (ख) रूद्राष्टाध्यायी
- (i) न्यासः, विनियोगः ध्यानञ्च।
- (ii) तृतीयध्यायतः पञ्चमध्याय पर्यन्तम्।

तृतीयांशः

श्रीदुर्गासप्तशतीपाठविधिः

- (क) संकल्पः शापोद्धारः।
- (ख) कवच, कीलकअर्गलाच।
- (ग) न्यासः, विनियोगः ध्यानविधिश्च।
- (घ) रात्रिसूक्तनवार्णविधिःविनियोगश्च ध्यानपूर्वकंप्रथमोऽध्यायः।
- (ङ) प्रथमचरित्रतःयावतमध्यमचरित्रपाठः।

शास्त्रिपरीक्षायाम्
तृतीयसेमेस्टर (तृतीयाधिसत्रे)
सप्तमपत्रम्
विषय- वास्तुशास्त्रम्

पूर्णांक :- 100

उत्तीर्णङ्क :- 27

क्रेडिट - 02

प्रथम यूनिट

विविधद्रव्यानविग्रहः

मृदामूर्तिः

पाषाणमूर्तिः

काष्ठमूर्तिः

धातुमूर्तिः

द्वितीय यूनिट

काँचमूर्तिः

अष्टधातुविग्रहः

पारदविग्रहः

देवानां प्रतिष्ठायां अधिवास विचारः।

तृतीय यूनिट

उपयुक्तविषयानां प्रायोगिकं ज्ञानम् ।

शास्त्रिपरीक्षायाम्
तृतीयसेमेस्टर (तृतीयाधिसत्रे)
विषय- ज्योतिष
सप्तमपत्रम्

पूर्णांक :- 100

उत्तीर्णङ्क :- 27

क्रेडिट - 02

इकाई - 1

षट्पञ्चाशिका

पंचमोऽध्यायः

षष्ठोऽध्यायः

सप्तमोऽध्यायः

इकाई - 2

खल्लासयोगलक्षणम्

रदयोगलक्षणम्

दुफालिकुत्थयोगलक्षणम्

दुत्थोत्थदवीरयोगलक्षणम्

तंबीरयोगलक्षणम्

कुत्थयोगलक्षणम्

दुरफयोगलक्षणम्

इकाई - 3

विंशोपकविचारः

पञ्चवर्गीयबलसाधनम्

सहमविचारः

सहायक ग्रन्थाः -

ताजिकनीलकण्ठी

षट्पञ्चाशिका



सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002
शारीरिक शिक्षा एवं क्रीड़ा विभाग
Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi-221002
Dept. of Physical Education & Sports
e-mail: sportsdepartmentssvv@gmail.com

59 56

पत्रांक क्री.वि. 3072/2025

दिनांक:-09/10/2025

सेवा में,

परीक्षा नियन्त्रक महोदय
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी।

विषय:- शारीरिक शिक्षा एवं योग पाठ्यक्रम निर्माण के सन्दर्भ में।

महोदय,

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर के लिए शारीरिक शिक्षा एवं योग पाठ्यक्रम की संरचना इस पत्र के साथ संलग्न है।
उक्त पत्र का मूल्यांकन लिखित 100 अंकों का है और प्रायोगिक शून्य है। यद्यपि शारीरिक शिक्षा एवं योग मुख्यरूप
से क्रियात्मक शैली होने के कारण लिखित 50 अंक और प्रायोगिक 50 अंकों का होना समीचीन होगा।
अतः निवेदन है कि लिखित के साथ प्रायोगिक मूल्यांकन के विषय में भी निर्णय लेना चाहें। जिससे छात्रों
का बौद्धिक विकास के साथ-साथ शारीरिक और कौशल विकास भी हो सके।

सादर!

भवदीय

20/10/25

(आदित्य कुमार)

तीरंदाजी प्रशिक्षक

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर
शारीरिक शिक्षा एवं योग पाठ्यक्रम
अष्टम पत्र
क्रेडिट-1

पूर्णांक 100 अंक
उत्तीर्णांक-36

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्य।
 2. खेलों का परिचय।
 3. विभिन्न खेल-कूद के मूलभूत नियमों और तकनीक को समझना।
 4. व्यक्तिगत और टीम खेलों में कौशल विकसित करना।
- पाठ्यक्रम की संरचना-

भाग-1 व्यक्तिगत खेल

1. एथेलेटिक्स ट्रैक और फिल्ड इवेंट्स।
2. जिम्नाटिक (मूलभूत उपकरण)
3. तैराकी
4. कुश्ती
5. बॉक्सिंग
6. शतरंज

भाग-2 दलीय खेल

1. हॉकी
2. वाली बॉल
3. फुट बॉल
4. क्रिकेट
5. बास्केट बाल

भाग-3 साहसिक और स्वदेशी खेल

1. तीरंदाजी
2. खो-खो
3. कबड्डी
4. मल्लखम्ब

भाग-4 योग

1. अष्टांग योग
2. हठ योग
3. योग निद्रा

भाग-5 रैकेट खेल

1. बैडमिन्टन
2. टेबल टेनिस
3. लॉन टेनिस

सहायक ग्रन्थ- अष्टांग योग, हठयोग प्रदीपिका, घेरण्ड संहिता, खेलकूद के नियम, खेल संयोजन एवं प्रशिक्षण, धनुर्वेद एवं फण्डामेन्टल आर्चरी।

१०/१०/२५

आदित्य कुमार
खेल प्रशिक्षक (तीरंदाजी)

शास्त्री तृतीय सेमेस्टर शारीरिक शिक्षा एवं योग पाठ्यक्रम

अष्टम पत्र

क्रेडिट-1

पूर्णांक 100 अंक
उत्तीर्णांक-38

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्य।
 2. खेलों का परिचय।
 3. विभिन्न खेल-कूद के मूलभूत नियमों और तकनीक को समझना।
 4. व्यक्तिगत और टीम खेलों में कौशल विकसित करना।
- पाठ्यक्रम की संरचना-

भाग-1 व्यक्तिगत खेल

1. एथलेटिक्स ट्रैक और फिल्ड इवेंट्स।
2. जिम्नाटिक (मूलभूत उपकरण)
3. तैराकी
4. कुश्ती
5. बॉक्सिंग
6. शतरंज

भाग-2 दलीय खेल

1. हॉकी
2. वाली बॉल
3. फुट बॉल
4. क्रिकेट
5. बास्केट बाल

भाग-3 साहसिक और स्वदेशी खेल

1. तीरंदाजी
2. खो-खो
3. कबड्डी
4. मल्लखम्ब

भाग-4 योग

1. अष्टांग योग
2. हठ योग
3. योग निद्रा

भाग-5 रैकेट खेल

1. बैडमिन्टन
2. टेबल टेनिस
3. लॉन टेनिस

सहायक ग्रन्थ- अष्टांग योग, हठयोग प्रदीपिका, घेरण्ड संहिता, खेलकूद के नियम, खेल संयोजन एवं प्रशिक्षण, धनुर्वेद एवं फण्डामेन्टल आर्चरी।

१०/१०/२५

आदित्य कुमार